mediaauditornews@gmail.com mediaauditor Epaperdainikmediaauditor.in mediaauditor वर्ष-29 अंक-64 पृष्ठ-8 मूल्य-3 रूपये

रीवा

06 मार्च 2025 गुरुवार

दैनिक मीडियाऑडीटर

रीवा, सतना से एक साथ प्रकाशित

रोहित शर्मा ने ...

@ पेज 7

बागेश्वर बाबा धीरेंद्र शास्त्री को पुलिस ने बिहार आने से रोका

हाजीपुर (एजेंसी)। बागेश्वर वाले बाबा धीरेंद्र शास्त्री को बिहार पुलिस ने वैशाली आने से रोक दिया है। जानकारी के अनुसार बाबा बागेश्वर आज आने वाले थे लेकिन अब वे नहीं आएंगे। वैशाली पुलिस की तरफ से दी गई

● धीरेंद्र शास्त्री ने कहा- 'जल्द आऊंगा, अपना ख्याल रखिए'

जानकारी के अनुसार, वैशाली जिले के जुड़ावनपुर गांव में बाबा बागेश्वर आज नहीं आ रहे हैं। पुलिस ने कहा कि कार्यक्रम में 5-7 लाख लोगों के आने की संभावना थी। पुलिस ने कहा कि राघोपुर संपूर्ण दियारा क्षेत्र गंगा नदी से चारों तरफ से घिरा हुआ द्वीपीय

क्षेत्र है। जहां जाने का एकमात्र साधन पीपा पुल एवं नाव है। जिससे इतने लोगों का आवागमन सुरक्षा के दृष्टिकोण से संभव प्रतीत नही होता है। चूंकि इतने बड़े कार्यक्रम के आयोजन के लिए पर्याप्त जगह और आवागमन हेतु पर्याप्त साधन उपलब्ध नही है। इसलिए कार्यक्रम को अनुमति नहीं दी गई है।

वहीं, बाबा बागेश्वर उर्फ धीरेंद्र शास्त्री की तरफ से भी बयान जारी किया गया है। धीरेंद्र शास्त्री ने कहा कि व्यवस्था और प्रशासनिक व्यवधानों के कारण हम नहीं आ पा रहे हैं। आप लोग अपना कार्यक्रम सफल बनाओ, हम बालाजी से प्रार्थना करते हैं। प्रशासन ने कार्यक्रम में शामिल होने के लिए अनुमति नहीं दिया तो पंडित धीरेंद्र शास्त्री ने अपना वीडियो जारी कर लोगों से वादा किया है कि हम जुड़ावनपुर गांव जरूर आएंगे। पक्का आएंगे, कब आएंगे ये आपको बाद में बताएंगे। आप अपना ख्याल रखिएगा। उन्होंने कहा कि हम जल्दी ही आएंगे। आप लोगों के साथ मिलकर उत्सव मनाएंगे।

जानकारी के अनुसार, बाबा बागेश्वर के कार्यक्रम को तीसरी बार अनुमति नहीं मिली है। आज 5 मार्च को बागेश्वर धाम वाले पंडित धीरेंद्र शास्त्री शिव मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम में शामिल होने वाले थे लेकिन पुलिस ने रोक लगा दिया है। प्रशासन ने अनुमान लगाया कि 5 से 7 लाख लोग कार्यक्रम में शामिल हो सकते हैं। आने जाने के लिए सुरक्षित रास्ता कोई पुल नहीं है। गंगा नदी से घिरा हुआ चारों तरफ का द्वीपीय क्षेत्र है, ऐसे में बड़ी संख्या में लोगों का आना सुरक्षित नहीं है।और कार्यक्रम वाले इलाके में संसाधन उपलब्ध नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

बांग्लादेश की पूर्व पीएम शेख हसीना के प्रत्यर्पण पर यूनुस हुए हताश

ढाका (एजेंसी)। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख सलाहकार मोहम्मद यूनुस काफी हताश हो गए हैं। पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण को लेकर यूनुस ने अपनी बेबसी जाहिर की है। उन्होंने ने कहा है कि ढाका ने अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग करते हुए भारत को ''औपचारिक पत्र'' भेजे थे, लेकिन नयी दिल्ली से ''कोई आधिकारिक जवाब'' नहीं मिला। सरकारी समाचार एजेंसी 'बीएसएस' की खबर के अनुसार, ब्रिटेन के चैनल

'स्काई न्यूज' को दिये साक्षात्कार में यूनुस ने कहा कि हसीना पर ''मानवता के खिलाफ अपराध'' के लिए मुकदमा चलाया जायेगा। बता दें कि बांग्लादेश में पिछले वर्ष छात्रों के नेतृत्व में व्यापक पैमाने पर हुए प्रदर्शन के बाद हसीना (77) भारत आ गई थीं और वह गत पांच अगस्त से भारत में रह रही हैं। बांग्लादेश के अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण (आईसीटी) ने हसीना और कई पूर्व कैबिनेट मंत्रियों, सलाहकारों और सैन्य एवं असैन्य अधिकारियों के खिलाफ ''मानवता के खिलाफ अपराध और नरसंहार'' के लिए गिरफ्तारी वारंट जारी किया है। यूनुस ने कहा, ''मुकदमा चलाया जाएगा। न केवल उनके (हसीना) खिलाफ, बल्कि उनसे जुड़े सभी लोगों के खिलाफ भी।'' बांग्लादेश ने उनके खिलाफ दो गिरफ्तारी वारंट जारी किए हैं। यूनुस ने कहा कि उन्होंने ''औपचारिक पत्र'' भेजे थे, लेकिन नयी दिल्ली से ''कोई आधिकारिक जवाब'' नहीं मिला। पिछले वर्ष भारत ने नयी दिल्ली स्थित बांग्लादेश उच्चायोग से 'नोट वर्बल' या राजनयिक संदेश प्राप्त होने की पुष्टि की थी, लेकिन इस पर टिप्पणी करने से परहेज किया था।

ऑस्ट्रेलिया में आने वाला है सबसे बड़ा चक्रवात

मेलबर्न (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के तटीय इलाकों में भीषण चक्रवात आने की चेतावनी से लोग दहशत में आ गए हैं। इस दौरान 20 हजार से ज्यादा घरों के डूबने की आशंका है। ऐसे में लाखों लोगों को सुरक्षित ठिकानों की ओर विस्थापित किया जा रहा है। इस लाखों लोगों के प्रभावित होने का खतरा है। लोगों ने खान-पान के जरूरी सामान जुटाने शुरू कर दिए हैं। देश के तीसरे सबसे अधिक आबादी वाले शहर ब्रिसबेन के निकट ऑस्ट्रेलियाई पूर्वी तट पर आने वाले उष्णकटिबंधीय चक्रवात के पूर्वानुमान के

मद्देनजर स्थानीय लोगों ने तैयारी कर ली है। ऑस्ट्रेलिया में यह 51 वर्षों में पहला चक्रवात होगा। निचले इलाकों में रहने वाले लोगों ने अपनी संपत्ति की सुरक्षा के लिए रेत की बोरियां जमा कर ली हैं। चक्रवात 'अल्फ्रेड' वर्तमान में प्रशांत महासागर के ऊपर बन रहा है जिसके बुधवार से ब्रिस्बेन के पूर्व की ओर बढ़ने की संभावना है। एक स्थानीय निवासी कोलोपी ने कहा, ''यह विनाशकारी हवाएं हैं।'' उन्होंने कहा कि जमीन से टकराने तक इसके इतने ही शक्तिशाली बने रहने की उम्मीद है। उष्णकटिबंधीय चक्रवात 'जो' 1974 में 'गोल्ड कोस्ट' पर आया था। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने कहा कि उनकी सरकार क्वींसलैंड सरकार को 250,000 'सैंडबैग' (रेत से भरे बैग) उपलब्ध करा रही है, इसके अलावा सेना द्वारा पहले ही 80,000 'सैंडबैग' उपलब्ध कराए जा चुके हैं। ब्रिस्बेन में संवाददाताओं से अल्बनीज ने कहा, ''एक ऐसे क्षेत्र में उष्णकटिबंधीय चक्रवात का आना जो उष्णकटिबंधीय क्षेत्र के रूप में वर्गीकृत नहीं है, वहां चक्रवात आना एक दुर्लभ घटना है।''

'पीला गमछा लेकर चलने वाले से जिनको तकलीफ है, उसकी आंखें निकाल लेंगे'

बलिया (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री ओम प्रकाश राजभर के बेटे अरुण राजभर ने आरोप लगाया है कि उनकी पार्टी भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के कार्यकर्ता को बांसडीह कोतवाली में जमकर पुलिस ने पिटाई की। मंत्री के बेटे अरुण ने पुलिस प्रशासन को खुली धमकी देते हुए कहा कि जिनको पीला गमछा से तकलीफ है। जिनकी आंखे नहीं काम कर रही है तो भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के कार्यकर्ता उनकी आंखें निकाल लेंगे। उन्होंने कहा कि अब आर-पार की लड़ाई होगी। अरुण राजभर ने पुलिस और सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि अगर हमारे कार्यकर्ता को पीटा जाएगा या किसी प्रकार की आंच आएगी तो बांसडीह छोड़ दीजिए यूपी के किसी भी थाने में दारोगा बैठने लायक नहीं रहेंगे। उन्होंने कहा कि अगर आज शाम तक बांसडीह कोतवाली के दारोगा और सिपाही को सस्पेंड नहीं किया गया तो सात मार्च को भारतीय सुहेलदेव समाज पार्टी के कार्यकर्ता थाने का घेराव करेंगे। उन्होंने दावा किया कि थाने का घेराव खुद ओपी राजभर पार्टी कार्यकर्ताओं के साथ करेंगे। अरुण राजभर ने कहा कि कार्यकर्ताओ के सम्मान में सरकार से भी लड़ना होगा तो लड़ेंगे। जरूरत पड़ी सरकार से अलग होने पर भी विचार करेंगे। उन्होंने कहा कि उनके लिए उनके कार्यकर्ता ही पार्टी की पूंजी हैं।

कमीश्नर भी रात को गश्ती पर निकले

गृह मंत्री अमित शाह संग मीटिंग के बाद एक्शन में दिल्ली पुलिस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली में कानून व्यवस्था को सुधारने के लिए हाल ही में गृह मंत्री अमित शाह ने दिल्ली पुलिस कमिश्नर के साथ ही तमाम बड़े पुलिस अधिकारियों के साथ मीटिंग की थी। इसके बाद दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा के साथ सभी स्पेशल कमिश्नर, जॉइंट कमिश्नर, एडिशनल कमिश्नर और डीसीपी पूरी रात दिल्ली की सड़कों पर अलग-अलग इलाके में गश्त पर निकले। गृह मंत्री के साथ मीटिंग के बाद दिल्ली पुलिस अब एक्शन मोड पर नजर आ रही है पूरी दिल्ली में रात भर दिल्ली पुलिस की तरफ से जनरल गश्त की गई और तमाम दिल्ली पुलिस के आला अधिकारी सड़कों पर मौजूद रहे।

इसके साथ ही दिल्ली के के सभी जिलों में पुलिस कर्मी पेट्रोलिंग करते हुए दिखाई दिए। इसके साथ ही जगह-जगह दिल्ली पुलिस ने बैरिकेडिंग कर गाड़ियों की भी तलाशी ली। दिल्ली में भारतीय जनता पार्टी की सरकार बनने के बाद मुख्यमंत्री लगातार दिल्ली में क्राइम ग्राफ

को कम करने को लेकर पुलिस के साथ मीटिंग पर मीटिंग करने में लगी हुई है। और आज शायद यही वजह है की दिल्ली पुलिस व दिल्ली पुलिस के तमाम आला अधिकारी दिल्ली की सड़कों पर जनरल गश्त करते हुए नजर आये। दिल्ली पुलिस की स्पेशल कमिश्नर गरिमा भटनागर भी दिल्ली के सड़कों पर आधी रात के वक्त निकली। उनका कहना है कि दिल्ली में महिलाओं की सुरक्षा एक बड़ा सवाल है और दिल्ली में महिलाएं पूरी तरह महफूज़ हैं। महिलाएं आधी रात को भी सड़कों पर निकल सकती हैं और उनकी सुरक्षा के लिए दिल्ली पुलिस पूरी रात सड़कों पर तैनात रहेगी, सभी गाड़ियों की चेकिंग करेगी और अपराधियों को सलाखों के पीछे पहुंचाएगी। मंगलवार की रात दिल्ली पुलिस कमिश्नर संजय अरोड़ा भी साउथ दिल्ली इलाके में पहुंचे और पुलिस अधिकारियों के साथ डिफेंस कॉलोनी इलाके में गश्त की।

सर नहीं कहा तो पुलिस अधिकारी ने दी धमकी

आर्णी (एजेंसी)। महाराष्ट्र के यवतमाल जिले के आर्णी कस्बे में एक कूरियर कंपनी के कर्मचारी ने एक पुलिस अधिकारी पर आरोप लगाया है कि उन्होंने उसे पार्सल पहुंचाने के संबंध में किए गए फोन कॉल में 'सर' नहीं कहे जाने पर धमकी दी। उनकी बातचीत का

एक ऑडियो क्लिप और वीडियो सामने आया है। वीडियो में पुलिसकर्मी कूरियर फर्म के कार्यालय में कर्मचारी को धमकाते हुए दिखाई दे रहा है। कूरियर कंपनी के कर्मचारी धीरज गेदाम ने बताया कि घटना 23 फरवरी की है। उन्होंने बताया कि इस संबंध में अभी तक उन्होंने कोई शिकायत दर्ज नहीं कराई है। गेदाम ने बुधवार को पत्रकारों से कहा कि वह एक स्थानीय कूरियर फर्म के लिए काम करते हैं और ग्राहकों को पार्सल पहुंचाते हैं। उन्होंने कहा, ''पार्सल पहुंचाने से पहले हम कॉल करके प्राप्तकर्ताओं के नाम की पुष्टि करते हैं। इसी के अनुसार, मैंने पार्सल पर लिखे नाम का मिलान करने के लिए इस ग्राहक को कॉल किया था। हालांकि, उन्होंने अभद्र भाषा का इस्तेमाल करना शुरू कर दिया और मुझे तथा कार्यालय के कर्मचारियों को धमकाया।'' उनकी बातचीत के ऑडियो क्लिप में पुलिसकर्मी ने 'सर' कहकर नहीं बुलाने के कारण गेदाम को धमकी दी। बाद में पुलिसकर्मी संबंधित कूरियर अधिकारी के कार्यालय गया और उसे फिर धमकाया।

कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव गोल्ड तस्करी के आरोप में अरेस्ट

तलाशी में 2.06 करोड़ के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये कैश जब्त

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में बेंगलुरु स्थित केम्पेगौड़ा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव के पास से 12.56 करोड़ रुपये की सोने की छड़ें जब्त की गई हैं। राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआराई) ने बुधवार को यह जानकारी दी। खुफिया जानकारी के आधार पर डीआरआई अधिकारियों ने 33 वर्षीय एक भारतीय महिला यात्री को रोका, जो तीन मार्च को अमीरात की उड़ान से दुबई से बेंगलुरु पहुंची थी। इस कार्रवाई के बाद डीआरआई अधिकारियों ने बेंगलुरु के लावेल रोड स्थित उसके (कन्नड अभिनेत्री के) आवासीय परिसर में तलाशी ली, जहां वह अपने पति के साथ रहती हैं। तलाशी में 2.06 करोड़ रुपये के सोने के आभूषण और 2.67 करोड़ रुपये की भारतीय मुद्रा जब्त की गई। महिला यात्री को सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत गिरफ्तार कर लिया गया है।

पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभिनेत्री रान्या राव वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। रामचंद्र राव वर्तमान में कर्नाटक राज्य पुलिस आवास निगम के पुलिस महानिदेशक के रूप में कार्यरत हैं। गिरफ्तारी से पहले

वह बेंगलुरु के लावेल रोड स्थित एक आवासीय परिसर में पति के साथ रहती थीं। पुलिस अधिकारी की पहली पत्नी की मृत्यु हो गई थी और उसने एक ऐसी महिला से शादी की थी जिसकी पहली शादी से दो बेटियां थीं। रान्या उनमें से एक हैं। 33 वर्षीय अभिनेत्री रान्या राव ने साल 2014 में कन्नड़ फिल्म माणिक्य से अपने करियर की शुरुआत की थी।

रान्या राव पर आरोप है कि उनके साथ आए दो लोग ब्रीफकेस में तस्करी का सोना लेकर जा रहे थे। वे केम्पेगौड़ा हवाई अड्डे पर सुरक्षा जांच से लगभग गुजर चुके थे और बाहर निकलने ही वाले थे, तभी तस्करी के प्रयास के बारे में विशेष खुफिया जानकारी रखने वाली डीआरआई टीम ने उन्हें रोका और तलाशी शुरू कर दी।

सरकारी ठेकों में मुस्लिमों को 4% आरक्षण!

कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण के मुद्दे पर विवाद

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक में मुस्लिमों को आरक्षण के मुद्दे पर पहले भी खूब विवाद होता रहा है। अब भाजपा ने बुधवार को आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार एक फिर से इस मुद्दे को आगे बढ़ाने की तैयारी कर रही है। भाजपा ने कहा कि कर्नाटक में सत्तारूढ़ कांग्रेस सरकारी ठेकों (पब्लिक टेंडर) में मुसलमानों के लिए 4% आरक्षण की योजना बना रही है। कर्नाटक की भाजपा इकाई के अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने दावा किया कि जब राज्य भर में सभी विकास कार्य थम गए हैं, तब राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस ने अल्पसंख्यकों को सरकारी ठेकों में 4 प्रतिशत आरक्षण देने का प्रस्ताव कैबिनेट के समक्ष पेश करने का फैसला किया है।

उन्होंने सवाल उठाया कि देश में कई अन्य समुदाय होने के बावजूद अल्पसंख्यकों को हमेशा मुसलमान के तौर पर संदर्भित क्यों किया जाता है। विजयेंद्र ने कहा, ''क्या अल्पसंख्यक का मतलब सिर्फ मुसलमान होना चाहिए कोई और नहीं? कांग्रेस की अल्पसंख्यक तुष्टिकरण की नीतियां समाज

में अशांति पैदा करेंगी।'' उन्होंने कहा कि यदि मुख्यमंत्री सिद्धरमैया वाकई पिछड़े समुदायों के नेता हैं, जैसा कि वे खुद को पेश करने की कोशिश कर रहे हैं, तो उन्हें, उनको सशक्त बनाने के लिए नीतियां लानी चाहिए। विजयेंद्र ने लोगों से सिद्धरमैया को उनकी अल्पसंख्यक तुष्टिकरण नीति के लिए सबक सिखाने की अपील की।

विजयपुरा के विधायक बसनगौड़ा पाटिल यतनाल ने कहा कि कर्नाटक में कांग्रेस सरकार पूरी तरह से अल्पसंख्यक तुष्टिकरण पर ध्यान केंद्रित कर रही है, इस तरह का आरक्षण संविधान विरोधी है। उन्होंने दावा किया कि भारतीय संविधान के निर्माता बी आर आंबेडकर अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के खिलाफ थे। यतनाल ने आरोप लगाया, ''सरकार संविधान और उसके बुनियादी सिद्धांतों के खिलाफ जा रही है।'' भाजपा नेताओं ने कहा कि वे इस मुद्दे को कर्नाटक विधानसभा के मौजूदा सत्र में उठाएंगे। इसको लेकर सरकार की ओर से तत्काल कोई प्रतिक्रिया नहीं आई।

कांग्रेस ने प्रॉपर्टी की देखभाल के लिए बनाया नया डिपार्टमेंट

पंजाब के पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला को बनाया गया प्रभारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस ने देश भर में अपनी संपत्तियों की देखभाल के लिए बुधवार को एक नए विभाग का गठन किया जिसका प्रभारी पंजाब के पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला को बनाया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। सिंगला पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन के साथ कांग्रेस पार्टी के संयुक्त कोषाध्यक्ष भी हैं। पंजाब के पूर्व मंत्री सिंगला संगरूर से लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। नई दिल्ली- कांग्रेस ने देश भर में अपनी संपत्तियों की देखभाल के लिए बुधवार को एक नए विभाग का गठन किया जिसका प्रभारी पंजाब के पूर्व मंत्री विजय इंदर सिंगला को बनाया गया है। कांग्रेस के संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की ओर से जारी विज्ञप्ति में यह जानकारी दी गई। सिंगला पार्टी के वरिष्ठ नेता अजय माकन के साथ कांग्रेस पार्टी के संयुक्त

कोषाध्यक्ष भी हैं। पंजाब के पूर्व मंत्री सिंगला संगरूर से लोकसभा सदस्य भी रहे हैं। कांग्रेस अध्यक्ष खरगे ने इंदिरा भवन में नए पार्टी मुख्यालय के उद्घाटन के दौरान पार्टी नेताओं से उन संपत्तियों को वापस लेने के लिए कानूनी सहारा लेने का आग्रह किया था जो दल में पहली बार हुए विभाजन के समय कांग्रेस के कब्जे में थीं। उन्होंने पार्टी नेताओं से हर जिले में पार्टी मुख्यालय बनाने का भी आग्रह किया।

बता दें कि कांग्रेस को अपनी ही संपत्ति का डर सताने लगा है। दरअसल, हुबली के लैमिंगटन रोड पर एक प्रमुख स्थान पर स्थित 1080 वर्ग गज में फैली एक पुरानी इमारत कांग्रेस पार्टी और जनता दल (यूनाइटेड) के बीच गरमागरम विवाद का केंद्र बन गई है। हुबली-धारवाड़ महानगर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अल्ताफ हुल्लूर ने कहा कि 1956 में कांग्रेस विधायक चन्नबसप्पा अंबली ने कांग्रेस पार्टी के नाम पर नीलामी के जरिए नगरपालिका से 11,700 रुपये में संपत्ति खरीदी थी। हुल्लूर ने कहा, ÷हालांकि, जेडीयू ने संपत्ति पर नियंत्रण हासिल कर लिया और इसे अपने नाम पर रजिस्टर्ड करा लिया। हाल ही में, सभी संबंधित संपत्ति दस्तावेज एकत्र करने के बाद, हमने भूमि अभिलेख कार्यालय में आपत्ति दर्ज कराई, जिसमें बाद में आधिकारिक अभिलेखों में कांग्रेस का नाम दर्ज किया।÷ वीरकुमार पाटिल के नेतृत्व में कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी की भवन निर्माण समिति ने स्थल का निरीक्षण किया। हुल्लूर ने कहा कि वे जल्द ही स्थान पर एक नया पार्टी कार्यालय बनाने का प्रस्ताव पेश करेंगे।

पूर्वोत्तर भारत के राज्य मणिपुर में भूकंप के झटके

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के विभिन्न राज्यों में एक के बाद एक भूकंप की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। इन भूकंपीय घटनाओं ने लोगों के दिलों में खौफ भर दिया है। बुधवार को पूर्वोत्तर भारत के राज्य मणिपुर में भूकंप की दो घटनाएं देखने को मिली हैं जिस कारण लोग सहम उठे। भूकंप के ये झटके करीब-करीब पूरे पूर्वोत्तर में महसूस किए गए हैं। आइए जानते हैं कि मणिपुर में भूकंप कब आए और इनकी तीव्रता क्या थी। बुधवार को मणिपुर में लगातार दो बार भूकंप के झटके महसूस किए गए। इनमें से एक

भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 5.7 मापी गई है। इसके झटके पूरे पूर्वोत्तर में महसूस किए गए। शिलांग में क्षेत्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र के अधिकारियों के मुताबिक, ये भूकंप राज्य में पूर्वाह्न 11 बजकर छह मिनट पर आया। इस भूकंप का केंद्र इंफाल पूर्वी जिले के यायरिपोक से 44 किलोमीटर पूर्व में और 110 किलोमीटर की गहराई पर था। इसके झटके असम, मेघालय और क्षेत्र के अन्य हिस्सों में महसूस किए गए। मणिपुर में बुधवार को दूसरा भूकंप दोपहर 12 बजकर 20 मिनट पर आया जिस कारण लोग और ज्यादा डर गए। इस भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 4.1 मापी गई है। भूकंप राज्य के कामजोंग जिले में 66 किलोमीटर की गहराई पर आया। भूकंप के बाद मणिपुर में कई इमारतों में दरारें देखी गई है।

इंफाल में एक अधिकारी ने कहा है कि भूकंप के कारण नुकसान के बारे में मिल रही सूचनाओं की पुष्टि की जा रही है। क्षेत्र के अन्य राज्यों में किसी तरह के नुकसान की अब तक कोई सूचना नहीं है।

पशुपालन मंत्री पटेल ने वितरित किए पशुपालन एवं डेयरी उद्योग के लिए ऋण

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। यूनियन बैंक ऑफ इंडिया क्षेत्रीय कार्यालय, भोपाल सेंट्रल द्वारा मंगलवार को एमएसएमई आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन गोविंदपुरा औधोगिक क्षेत्र में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ पशुपालन एवं डेयरी राज्य मंत्री, स्वतंत्र प्रभार, श्री लखन पटेल द्वारा किया गया। इस अवसर पर मंत्री श्री पटेल ने पशुपालन एवं डेयरी उद्योग के लिए विभिन्न हितग्राहियों को ऋण वितरित किए। बैंक द्वारा कुल 255 करोड़ के ऋण स्वीकृति पत्र वितरित किए गए, जिनमें 30 करोड़ रुपए के ऋण पशुपालन एवं डेयरी क्षेत्र में प्रदान किए गए। बैंक के कार्यकारी निदेशक श्री संजय रुद्रा द्वारा बैंक की योजनाओं के विषय में जानकारी प्रदान की गयी। कार्यक्रम में टेक्नोफाइबर इंडस्ट्रीज़ श्री अनिल अग्रवाल, यूनियन बैंक ऑफ इंडिया के श्री अरुण कुमार सुरसला, उप अंचल प्रमुख, श्री प्रांजल बाजपेयी, ग्राहकगण, भोपाल स्थित शाखाओं के प्रबन्धक एवं क्षेत्रीय कार्यालय, अंचल कार्यालय के सदस्य उपस्थित थे।

पूर्व क्षेत्र कंपनी को मिला हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार, द्वारा इंडिया हैबिटेट सेंटर नई दिल्ली मे लाइनमैन दिवस के अवसर पर राष्ट्रीय समारोह आयोजित किया गया। इसमें देश की लगभग 70 डिस्कॉम, 28 ट्रांसमिशन कंपनी तथा 25 जनरेशन कंपनी ने भाग लिया। इसमें से म.प्र. पूर्व क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड जबलपुर को हाई परफार्मिंग डिस्कॉम का अवार्ड मिला। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने कंपनी के स्टॉफ को बधाई दी। कंपनी को यह अवॉर्ड समस्त लाइनकार्मिकों को सुरक्षा किट प्रदान किये जाने, निरन्तर सुरक्षा, तनाव प्रबंधन, मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य संबंधी प्रशिक्षण कार्यक्रम, वर्कशॉप सेमिनार आयोजित किय जाने, सुरक्षा मानकों को बेहतरीन ढंग से लागू किये जाने से दुर्घटना न्यूनतम रहने और कार्मिकों को उच्च शिक्षा के लिये बेहतर अवसर प्रदान करने पर मिला है। पूर्व क्षेत्र कंपनी की ओर से मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन एवं प्रशासन) श्रीमती नीता राठौर ने यह अवार्ड प्राप्त किया। समारोह में कंपनी के 3 लाइनमैनों श्री अनिल कुशवाहा मुक्तियारगंज वितरण केन्द्र रीवा क्षेत्र, श्री प्रहलाद वलाड़ी डिंडौरी (ग्रामीण) वितरण केन्द्र शहडोल क्षेत्र, श्री आजाद कुमार सकवार शहर संभाग (पूर्व) शहर वृत्त जबलपुर क्षेत्र को उनके द्वारा निस्वार्थ सेवा तथा विद्युत उपभोक्ताओं को सतत् विद्युत सप्लाई प्रदान करने के लिये किये गये निष्ठापूर्ण एवं साहसिक कार्य के लिये उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

राजघाट जल विद्युत गृह ने लगातार तीन वर्ष 100 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन कर रिकार्ड बनाया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)।मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के 45 मेगावाट क्षमता के राजघाट जल विद्युत गृह ने 26 वर्ष के इतिहास में प्रथम बार लगातार तीन वर्ष 100 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन कर रिकार्ड बनाया है। राजघाट जल विद्युत गृह ने वर्ष 2022-23 में 125.6 मिलियन यूनिट, वर्ष 2023-24 में 104.55 मिलियन यूनिट और वर्तमान वित्तीय वर्ष 2024-25 में 101 मिलियन यूनिट बिजली उत्पादन किया। मध्यप्रदेश पॉवर जनरेटिंग कंपनी के जल विद्युत गृहों की कुल स्थापित क्षमता 915 मेगावाट है। ऊर्जा मंत्री श्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने राजघाट जल विद्युत गृह के समस्त अभियंताओं व कार्मिकों को इस उपलब्धि? के लिए बधाई दी है। राजघाट जल विद्युत गृह अशोक नगर में बेतवा नदी पर स्थि?त है। इसकी प्रथम यूनिट 15 अक्टूबर 1999, द्वितीय यूनिट 29 सितंबर 1999 और तृतीय यूनिट 3 नवम्बर 1999 को स्थापित हुई थी। इस विद्युत गृह में उत्पादित होने वाली बिजली में मध्यप्रदेश का अंश लगभग 60 फीसदी है और शेष बिजली उत्तर प्रदेश को प्रदाय होती है। राजघाट जल विद्युत उत्पादन ने 26 वर्ष के इतिहास में वर्ष 2005-06 में सर्वाधिक 142 मिलियन यूनिट विद्युत उत्पादन किया था।

प्रदेश की 7 स्मार्ट सिटी में सुशासन के लिये कंट्रोल सेंटर और ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में 7 शहरों भोपाल, इंदौर, जबलपुर, ग्वालियर, उज्जैन, सागर एवं सतना का चयन स्मार्ट सिटी के रूप में किया गया है। चिन्हित शहरों में सुशासन और नागरिक सेवाओं को सशक्त बनाने के लिये आधुनिक तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। इन चयनित शहरों में इंटीग्रेटेड कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर (आईसीसीसी) और इंटेलिजेंट ट्रेफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) को लागू किया गया है। नगरीय सेवाओं को और बेहतर बनाने के लिये अब एआई तकनीक का भी उपयोग किया जायेगा।

आईसीसीसी तकनीक से स्मार्ट सिटीज शहरों में नागरिक सेवाओं के क्रियान्वयन पर सतत् निगरानी का कार्य किया जा रहा है। नागरिक सेवाओं में डेटा संचालन और निर्णय लेने में भी यह बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रहे है। आईसीसीसी और आईटीएमएस प्रणाली के संचालन के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा एजेंसी का चयन किया गया है। इन दोनों प्रणालियों में रियलटाइम में डेटा एकत्र कर त्वरित कार्यवाही करने की क्षमता है। इन प्रणालियों के जरिये स्मार्ट सिटी में जल आपूर्ति, अपशिष्ट प्रबंधन, स्ट्रीट लाइटिंग और सार्वजनिक

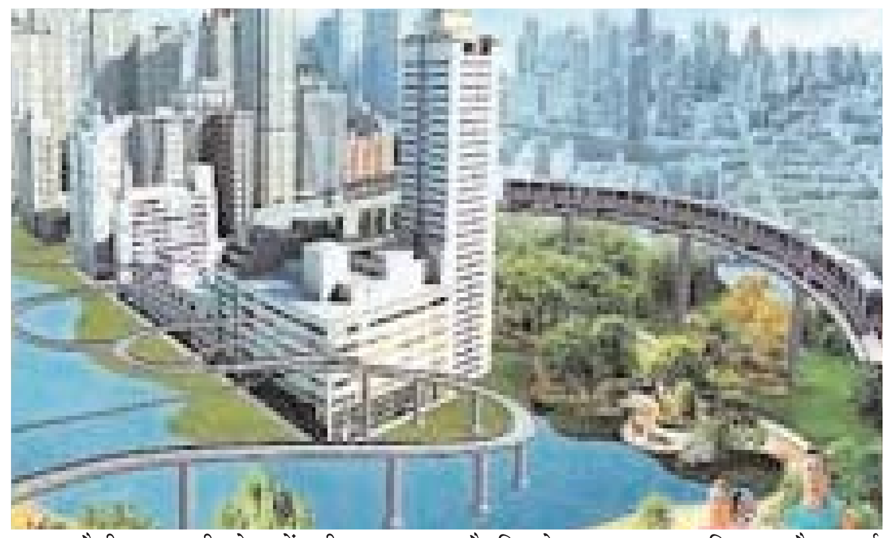

सुरक्षा जैसी शहर की सेवाओं की लगातार निगरानी की जाना संभव हुआ है।

केन्द्र सरकार ने नेशनल अर्बन डिजिटल मिशन (एनडीयूएम) में एआई (आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस) को शामिल करने का निर्णय लिया है। एआई तकनीक से नागरिक सेवाओं को को और बेहतर किया जा सकेगा??। आईसीसीसी तकनीक स्मार्ट सिटी में अपशिष्ट संग्रह वाहनों की वास्तविक समय की ट्रेकिंग को सक्षम बना रहा है, जिससे समय पर कचरा निपटान और सफाई सुनिश्चित हो रही है। भविष्य में इन केन्द्रों को स्वचलित अलर्ट स्वच्छता संबंधी मुद्दों को तुरंत निराकृत करने में सक्षम किये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं। स्मार्ट सिटी में जल वितरण और रिसाव का पता लगाने वाली प्रणालियों को कंट्रोल रूम के माध्यम से निगरानी में रखा जा सकेगा। इससे पानी के अपव्यय को काफी हद तक कम करने और शहर में पानी की समान रूप से आपूर्ति सुनिश्चित की जायेगी। इसी के साथ आईसीसीसी के माध्यम से स्मार्टग्रिड और स्ट्रीटलाइट ऑटोमेशन ऊर्जा की खपत को कम करने और विद्युत वितरण व्यवस्था को और दक्ष बनाये जाने के प्रयास किये जा रहे हैं?।

वर्तमान में 7 स्मार्टसिटीज में आईसीसीसी के साथ एकीकृत निगरानी प्रणाली अपराध की रोकथाम और यातायात प्रबंधन में मदद कर रही है। कोविड-19 के दौरान समस्त स्मार्ट सिटी के कमांड एण्ड कंट्रोल सेंटर ने स्टेट वार रूम के रूप में सेवा देकर सराहनीय कार्य किया है। प्रदेश की 7 स्मार्ट सिटी में आईटीएमएस द्वारा भीड़-भाड़ को कम करने, दुर्घटनाओं को कम करने और शहरी गतिशीलता को बेहतर बनाने के लिये लगातार काम किये जा रहे हैं। इस प्रणाली के माध्यम से ट्रैफिक सिग्नल और रियल टाइम ट्रै?फिक का विश्लेषण भी किया जा रहा है। सातों स्मार्टसिटीज में 303 स्थानों पर 2301 कैमरे लगाये गये हैं। पिछले 3 वर्षों में इस प्रणाली के माध्यम से करीब 27 लाख 25 हजार ई-चालान की कार्रवाईयां की गई हैं। स्मार्ट सिटी शहरों में नागरिकों से जुड़ी सुविधाओं को और बेहतर बनाने के लिये विभिन्न तकनीकों का एकीकरण किये जाने के भी लगातार प्रयास किये जा रहे हैं।

सिंगरौली जिला पंचायत उपाध्यक्ष अर्चना सिंह सशक्त पंचायत नेत्री पुरस्कार से सम्मानित

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। सिंगरौली जिला पंचायत की उपाध्यक्ष श्रीमती अर्चना सिंह को मंगलवार को विज्ञान भवन में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला में पंचायती राज मंत्रालय द्वारा सशक्त पंचायत नेत्री पुरस्कार से सम्मानित किया गया। केंद्रीय पंचायतीराज मंत्री श्री राजीव रंजन ललन सिंह ने यह पुरस्कार प्रदान किया। कार्यक्रम में केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, पंचायती राज राज्यमंत्री प्रो. एसपी सिंह बघेल तथा युवा कार्यक्रम और खेल राज्यमंत्री श्रीमती रक्षा निखिल खडसे भी उपस्थित रही। सिंगरौली जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्रीमती सिंह के क्रांतिकारी प्रयासों से सिंगरौली जिले में शिक्षा, महिला सशक्तिकरण और सड़क अधोसंरचना का अभूतपूर्व विकास हुआ है। जिला पंचायत की उपाध्यक्ष और जिला शिक्षा समिति की अध्यक्ष के रूप में इन्होंने जिले के ग्रामीण इलाकों में मेधावी छात्राओं को आर्थिक

सहायता, लाइब्रेरी की उपलब्धता, मोटिवेशनल व्याख्यान, ऑनलाइन क्लासेज और करियर काउंसलिंग जैसी सुविधाएं उपलब्ध करवाई जिसके परिणामस्वरूप जिले में महिला शिक्षा का प्रतिशत 44त्न से बढ़कर 58त्न हो गया है।

मंत्री उइके ने 'मुक्ति की उड़ान' पत्रिका का विमोचन किया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके ने 'मुक्ति की उड़ान' पत्रिका का विमोचन किया। उन्होंने पत्रिका का अवलोकन करते हुए संपादकीय टीम के प्रयासों की सराहना की और इसके प्रकाशन के लिए आभार व्यक्त किया। पत्रिका में मंत्री श्रीमती उइके के सार्वजनिक जीवन, कार्यों और विभागीय पहलों से जुड़ी जानकारियाँ शामिल हैं।

इसमें लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग की प्रमुख उपलब्धियों और योजनाओं की जानकारी को भी समाहित किया गया है।

इस अवसर पर पत्रिका के संपादक राजेंद्र कुमार सोनी, प्रबंध संपादक संतोष कुमार सहित अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।।

सांची के स्तूप प्रदेश में स्थापत्यकला का अद्भुत नमूना है - डॉ. पनगढ़िया

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। 16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया ने सांची स्तूप की भव्यता और कलात्मक उत्कृष्टता को देखकर प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि सांची के स्तूप प्रदेश में स्थापत्यकला का अद्भुत नमूना है। यह ऐतिहासिक स्थल तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में महान सम्राट अशोक द्वारा निर्मित कराया गया था और बौद्ध धर्म के महत्त्वपूर्ण केंद्रों में से एक है। सांची के स्तूप अपनी उत्कृष्ट स्थापत्य शैली और अद्भुत शिल्पकारी के लिए प्रसिद्ध हैं। यहाँ मौजूद तोरण द्वार और जटिल नक्काशीदार स्तंभ बौद्ध जातक कथाओं और घटनाओं को दर्शाते हैं।

मंगलवार को16वें वित्त आयोग के अध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगड़िया और सदस्य श्रीमती एनी जॉर्ज मैथ्यू, डॉ. सौम्य कांति घोष एवं डॉ. मनोज पांडा ने यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल सांची स्तूप और ऐतिहासिक उदयगिरि गुफाओं का भ्रमण किया। उन्होंने प्रदेश के गौरवशाली इतिहास से परिचय प्राप्त किया और भारतीय संस्कृति की समृद्ध धरोहर को नजदीक से देखा। इसके पूर्व वित्त विभाग के सचिव श्री लोकेश जाटव ने भोपाल आगमन पर आयोग के अध्यक्ष

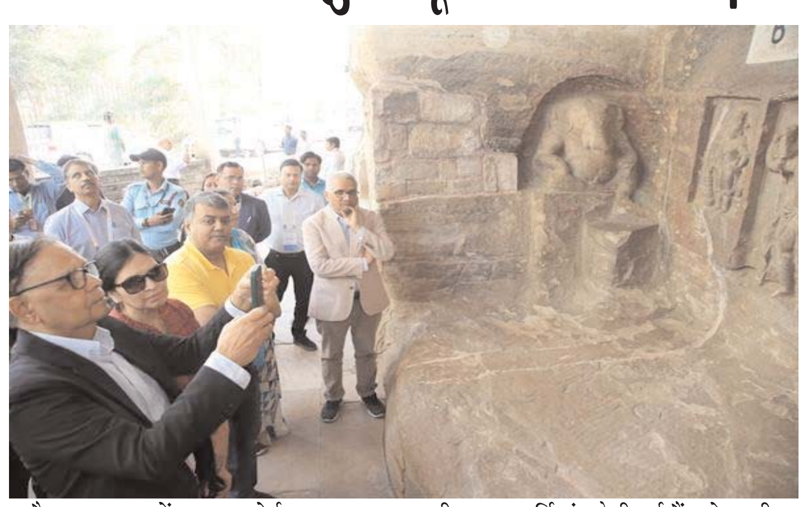

और अन्य सदस्यों का एयरपोर्ट पर स्वागत किया। वित्त आयोग के प्रतिनिधिमंडल ने लाइट एंड साउंड शो के माध्यम से सांची स्तूप के इतिहास को एक रोचक कहानी के माध्यम से जाना। बौद्ध धर्म के विकास, सम्राट अशोक की धम्म नीति और सांची के ऐतिहासिक महत्व की गहरी जानकारी प्राप्त हुई। आयोग के अध्यक्ष और प्रतिनिधियों ने उदयगिरि गुफाओं का भी भ्रमण किया। गुप्तकालीन इन गुफाओं में भगवान विष्णु और अन्य देवी-देवताओं की अद्भुत मूर्तियां उकेरी गई हैं, जो प्राचीन भारतीय कला और धर्म का अनुपम उदाहरण हैं। उदयगिरि की 20 गुफाओं में विशेष रूप से वाराह अवतार की विशाल प्रतिमा, जिसमें भगवान विष्णु पृथ्वी को समुद्र से निकालते हुए दिखाए गए हैं, ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। वित्त आयोग के सदस्यों ने कहा कि सांची और उदयगिरि जैसे ऐतिहासिक स्थल भारत की सांस्कृतिक और आध्यात्मिक विरासत के अमूल्य प्रतीक हैं।

स्थानीय निकायों को आय में वृद्धि पर मिलेगी प्रोत्साहन राशि

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। प्रदेश में नगरीय निकायों को अपनी आय में वृद्धि करने के लिये नगरीय विकास एवं आवास विभाग द्वारा लगातार निर्देश दिये जा रहे हैं। नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ने भी विभिन्न बैठकों में नगर निगम महापौर और स्थानीय निकायों के अध्यक्षों को अपनी निकायों को आर्थिक रूप से आत्म-निर्भर बनाने के लिये निर्देश दिये हैं। इस वर्ष राजस्व आय में श्रेष्ठ कार्य करने वाली स्थानीय निकायों को पुरस्कृत करने के?लिये विभागीय बजट में 29 करोड़ 4 लाख रूपये का प्रावधान किया गया है।

प्रोत्साहन योजना में आय में वृद्धि करने वाली नगरीय निकायों को पिछले 2 वित्तीय वर्षों में राजस्व और गैर राजस्व आय में हुई वृद्धि के प्रतिशत के अनुसार प्रोत्साहन राशि दी जायेगी। नगरीय निकायों को संपत्ति कर, समेकित कर, नगरीय विकास उप कर एवं शिक्षा उप कर से प्रमुख रूप से आय होती है। इसके अलावा नगरीय निकायों को जल उपभोक्ता प्रभार, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन प्रभार, भूमि भवन किराया, बिल्डिंग परमिशन फीस से भी आय होती है। विभाग ने नगरीय निकायों को दी जाने वाली प्रोत्साहन राशि उनकी आबादी के हिसाब से निर्धारित की है। प्रदेश के ऐसे नगर पालिक निगम, जिनकी जनसंख्या 5 लाख से अधिक है, उन्हें प्रथम स्थान पर रहने पर 4 करोड़, द्वितीय पर 2 करोड़ 50 लाख और तृतीय स्थान पाने पर 1 करोड़ 50 लाख रूपये की राशि प्रोत्साहन स्वरूप दी जायेगी। प्रदेश के जिन नगर पालिक निगम की जनसंख्या 5 लाख से कम है, उन्हें प्रथम स्थान पर आने पर 3 करोड़ रूपये, द्वितीय पर 2 करोड़ रूपये और तृतीय स्थान प्राप्त नगर पालिका परिषद, जिनकी जनसंख्या एक लाख से कम है, उन नगर पालिका परिषद को आय वृद्धि पर पहले स्थान के लिये 2 करोड़ रूपये, द्वितीय स्थान के लिये 1 करोड़ 25 लाख रूपये, तृतीय स्थान के लिये 75 लाख रूपये की राशि दी जायेगी।

रेशम उद्योग के विकास को मिलेगी गति-राज्य मंत्री जायसवाल

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। कुटीर एवं ग्रामोद्योग राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री दिलीप जायसवाल ने नर्मदापुरम में रेशम कृषि मेला-2025 का शुभारंभ किया। उन्होंने कहा कि मेले के आयोजन से रेशम उद्योग के विकास को गति मिलेगी। रेशम कृषि मेला रेशम उद्योग की प्रगति को समर्पित एक महत्वपूर्ण आयोजन है। यह मेला केंद्रीय रेशम बोर्ड वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा मध्य प्रदेश शासन के रेशम विभाग के सहयोग से आयोजित किया जा रहा है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य किसानों, उद्यमियों और अन्य हितधारकों को रेशम उत्पादन की नवीनतम तकनीकों और सर्वोत्तम प्रथाओं से अवगत कराना है। यह कार्यक्रम उन रेशम किसानों को सम्मानित

करने के लिए भी आयोजित किया गया है, जिन्होंने रेशम उत्पादन के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है। राज्यमंत्री श्री जायसवाल ने मेले में रेशम उत्पादों की प्रदर्शनी स्टॉल का उद्घाटन किया। विभिन्न प्रकार के रेशम उत्पादों का प्रदर्शन किया गया था। साथ ही, लाभार्थियों को वैज्ञानिक जानकारी प्रदान करने के लिए प्रचार पुस्तिकाओं का विमोचन किया।कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय रेशम बोर्ड बेसिक टसर सिल्कवर्म सीड ऑर्गनाइजेशन, बिलासपुर और केंद्रीय रेशम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, मैसूर के विशेषज्ञों द्वारा एक तकनीकी सत्र आयोजित किया गया। इस सत्र में मलबरी एवं टसर ककून उत्पादन की उन्नत तकनीकों, मेजबान पौधों की खेती, पालन-पोषण पद्धतियों, कोकून पश्चात प्रक्रियाओं तथा रेशम उप-उत्पादों की मूल्य संवर्धन श्रृंखला में उत्पाद विविधीकरण पर विस्तृत चर्चा की गई।

मेले में करीब 400 हितग्राही, किसान शोधकर्ता, नीति-निर्माता और उद्योग विशेषज्ञ शामिल हुए। मेले में प्रदर्शनी, तकनीकी व्याख्यान और संवादात्मक सत्रों के माध्यम से रेशम उद्योग में सहयोग, ज्ञान आदान-प्रदान और नवाचार को प्रोत्साहित किया गया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि सांसद श्री दर्शन सिंह चौधरी, श्रीमती माया नरोलिया, विधायक डॉ. सीतासरन शर्मा, श्री विजयपाल सिंह, श्री ठाकुरदास नागवंशी तथा श्री प्रेमशंकर वर्मा उपस्थित थे।

एम.पी. ट्रांस्को में मनाया गया राष्ट्रीय लाइनमैन दिवस

मीडिया ऑडीटर, भोपाल (एजेंसी)। मध्यप्रदेश में विषम परिस्थितियों में भी भरोसेमंद विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित रखने वाले पॉवर सेक्टर की महत्वपूर्ण कड़ी लाइनमैन के योगदान को मान्यता देकर उन्हें सम्मानित करने के लिये मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी (एम.पी. ट्रांस्को) में 04 मार्च को राष्ट्रीय लाइनमैन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया। जबलपुर सहित एम.पी. ट्रांस्को के 40 ट्रांसमिशन लाइन मेन्टेनेंस कार्यालयों में कार्यक्रम आयोजित कर प्रदेश के लाइनमैनों को सम्मानित किया गया एवं सभी ने जीरो हार्म थीम पर सुरक्षा शपथ ली।

मुख्यालय जबलपुर में आयोजित कार्यक्रम में एम.पी. ट्रांस्को के अधीक्षण अभियंता श्री डी.के. अग्रवाल और श्री आर. एस. पांडेय की उपस्थिति में 90 लाइनमैनों को सम्मानित किया गया।राष्ट्रीय लाइनमैन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर अपने संदेश में मध्यप्रदेश पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी के प्रबंध संचालक इंजीनियर सुनील तिवारी ने कहा है कि संपूर्ण प्रदेश में एम.पी. ट्रांसको की ट्रांसमिशन लाइनों के देखरेख के लिये लाइन मेंटेनेन्स कर्मी 24ङ्क7 सजगता से अपना कार्य करते हैं। इंजी. सुनील तिवारी ने कहा कि पूरे प्रदेश में सतत् रूप से निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित रखने का परिणाम है कि म.प्र. पॉवर ट्रांसमिशन कंपनी देश की सर्वश्रेष्ठ कंपनियों में से एक बनी हुई है। उन्होंने इन उपलब्धियों का श्रेय ट्रांसमिशन कार्मिकों को देते हुये उन्हें प्रथम पंक्ति में रखा और कहा कि संपूर्ण मनोयोग से जटिल भौगोलिक एवं विपरीत जलवायु परिस्थितियों की चुनौतियों को सहज भाव से स्वीकार करते हुए हमारे मैदानी कर्मचारी अपने दायित्वों का निर्वहन करते हैं।

लाइनमैन दिलदार चौधरी, योगेश धुर्वे, चिंतामन कोरी आदि ने कविता के माध्यम से लाइनमैनों के कार्यों, चुनौतियों और उनकी जिम्मेदारियों का आर्कषक तरीके से उल्लेख किया। साथ ही लाइनमैनों के लिये सुरक्षा संबंधी प्रश्नोत्तरी भी आयोजित की गई।

हैवी मशीनें लगाकर टमस नदी का सीना छलनी कर रहे माफिया, मूक दर्शक बना प्रशासनिक अमला

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। जिले के त्योंथर तहसील क्षेत्र अंतर्गत टमस नदी में इन दिनों रेत माफियाओं का आतंक देखने को मिल रहा है जहां खनन माफिया रेत का अवैध उत्खनन करते हुए दिखाई दे रहे हैं मगर प्रशासनिक अमला इस पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने के बजाय मूकदर्शक बनकर बैठा हुआ है। टमस नदी के भीतर माफियाओं के द्वारा हैवी मशीनें लगाकर रेत का उत्खनन करके बिना परमिशन के ही उसका भंडारण और परिवहन किया जा रहा है और जिम्मेदार गोलमोल जवाब दे रहे हैं

जिले भर के भीतर विगत लंबे समय से माफियाओं का बड़ा जोर देखने को मिल रहा है जिसके कारण वह धड़ल्ले के साथ अवैध रूप से रेत गिट्टी तथा पत्थर का उत्खनन कर रहे हैं मगर जिम्मेदार इस पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही करने की बजाय आपसी सांठगांठ करते दिखाई देते हैं ताजा मामला सामने आया है जिले के त्योंथर तहसील क्षेत्र अंतर्गत टमस नदी से जहां खनन माफियाओं ने अलग ही अंदाज में अपनी काली कमाई का जरिया बना लिया है और नदी के भीतर हैवी मशीनें लगाकर रेत का अवैध उत्खनन करने में जुटे हुए हैं।

बताया जा रहा है कि नौका के माध्यम से नदी के पानी में चारों ओर रस्सी बांधकर उसमें मशीनों का जाल बिछाया गया है। मोटर पाइप के माध्यम से नदी के पानी को बाहर फेंकते हुए रेत जुटाई जाती है। जिसके बाद उसका अवैध रूप से भंडारण और परिवहन भी किया जा रहा है

जानकारी के मुताबिक, एक नाव दिन भर में तीन ट्रॉली से भी अधिक रेत निकाल रही है। इस हिसाब से दर्जनों नावें रोजाना लगभग 1200 घन मीटर रेत का अवैध उत्खनन कर रही हैं। नदी के किनारे जमा की गई इस रेत को ट्रैक्टरों के माध्यम से बाजार में बेचा जा रहा है, जिससे सरकार को प्रतिदिन लगभग 25 से 30 हजार रुपए के राजस्व का नुकसान हो रहा है।

दरअसल 2 वर्ष से अधिक का समय बीत गया है जब से प्रशासनिक अमले के द्वारा माफियाओं पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं की गई जिसकी वजह से अब बड़ी ही सक्रियता के साथ खनन माफिया बेखौफ होकर रेत का अवैध खनन करने में जुटे हुए हैं। मगर प्रशासनिक अमला इस पर किसी भी प्रकार की कार्यवाही नहीं कर रहा।

खनिज अधिकारी द्वारा दी जाती है गलत जानकारी: ग्रामीणजन का कहना है कि इस संबंध में जब भी रीवा खनिज अधिकारी दीपमाला तिवारी को फोन लगाया जाता है तो उनके द्वारा न ही फोन उठाया जाता, न ही मैसेज का जबाव दिया जाता है बल्कि गोलमोल जबाव देकर वह लोगों गुमराह करने का काम करती हैं क्योंकि उनके द्वारा कभी घाटो का निरीक्षण ही नही किया जाता है।

सीएम राइज स्कूल में सामूहिक नकल

बोर्ड पर उत्तर लिखते हुए वीडियो के बाद, ग्रुप में बैठकर नकल करते दूसरा वीडियो सामने आया

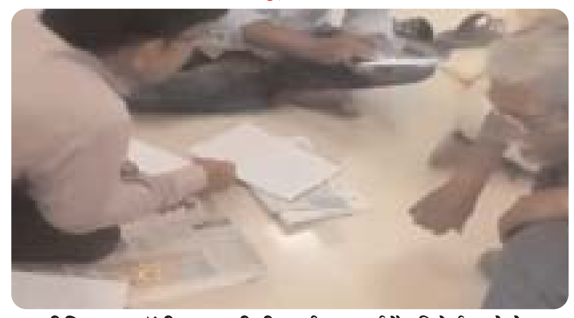

मीडिया ऑडीटर, सीधी (निप्र)। सीधी जिले के सेमरिया स्थित सीएम राइज स्कूल में बुधवार को भी सामूहिक नकल देखने को मिली। आठवीं के संस्कृत के पेपर में प्राइवेट स्कूल के टीचर फोन के जरिये नकल करते नजर आ रहे हैं। जानकारी के मुताबिक, कुछ सरकारी शिक्षक अंदर से प्रश्नपत्र के फोटो खींचकर बाहर बैठे प्राइवेट स्कूलों के शिक्षकों को वॉट्सएप से भेज रहे थे। बाहर बैठे प्राइवेट स्कूलों के टीचर संधि विच्छेद सहित अन्य प्रश्नों को हल कर वापस अंदर बैठे शिक्षकों को वॉट्सएप के जरिये भेज रहे थे। इसके बाद अंदर वही आंसर ब्लैक बोर्ड पर लिखकर नकल कराई जा रही थी।

प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी को जानकारी नहीं: वहीं सामूहिक नकल के दो वीडियो सामने आने के बाद भी प्रभारी जिला शिक्षा अधिकारी राजेश कुमार तिवारी इसे मानने को तैयार नहीं हैं। उनका कहना है कि वीडियो कहां का है, कब का है, इसकी जानकारी नहीं है। वीडियो की जांच के लिए तीन सदस्यों की टीम बनाई है। रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जाएगी

28 फरवरी का भी वीडियो सामने आया: इसी स्कूल का 28 फरवरी का भी एक वीडियो सामने आया था, जिसमें ब्लैकबोर्ड पर लिखकर पांचवीं और आठवीं के 296 बच्चों को सामूहिक नकल कराई जा रही थी। उस दिन पांचवीं का पर्यावरण और आठवीं का विज्ञान का पेपर था। सिमरिया परीक्षा केंद्र के अध्यक्ष प्रवीण सिंह ने वीडियो की सत्यता जांचने की बात कही थी। वहीं इस घटना से अभिभावकों और स्थानीय लोगों में नाराजगी है। जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. प्रेमलाल मिश्रा ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं। शिक्षा विभाग ने परीक्षा केंद्रों पर निगरानी बढ़ाने का निर्णय लिया है।

28 फरवरी को इन स्कूलों के बच्चे आए थे पेपर देने: महात्मा गांधी मेमोरियल पब्लिक स्कूल सेमरिया रामगढ़, न्यू विंध्या पब्लिक स्कूल सेमरिया, ज्ञान शिक्षा एकेडमी स्कूल सेमरिया, गायत्री पब्लिक स्कूल सेमरिया झगरहा, न्यू प्रज्ञा स्कूल सेमरिया, पब्लिक स्कूल सेमरिया।

सूने घर से गहने-नगदी ले गए बदमाश

10 लाख की चोरी, परिवार शादी में गया था

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। शहडोल में अमलाई के रावल मार्केट में रहने वाले रंगलाल नापित परिवार के साथ गोरखपुर में विवाह समारोह में गए थे। चोरों ने इसी दौरान उनके घर को निशाना बनाया। बुधवार को बदमाशों ने घर के मुख्य दरवाजे का ताला तोड़कर अंदर प्रवेश किया।

अलमारी का लॉकर तोड़कर 8 तोला सोना और 1 किलो चांदी के जेवरात चुरा ले गए। साथ ही 50 हजार की नकदी भी ले गए। नगदी और जेवरात सहित 10 लाख की चोरी की गई है।

आज दोपहर पड़ोसियों ने जब घर का दरवाजा खुला देखा, तो तुरंत रंगलाल को जानकारी दी। किया। सूचना मिलते ही परिवार घर लौटा और पुलिस को घटना की जानकारी दी। बुधवार को हुई इस घटना की जांच पुलिस कर रही है।

रात 3 बजे खनिज विभाग के अमले पर हमला

रेत माफिया ने पुलिस चौकी के सामने टीम को पीटा, गाड़ियां तोड़ीं

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली में खनिज विभाग के अमले पर रेत माफिया ने हमला कर दिया। टीम के साथ मारपीट की। गाड़ियों में तोड़फोड़ कर दी। फिर भाग निकले। हालांकि, फरार होते वक्त वे अपनी दो गाड़ियां मौके पर ही छोड़ गए। वारदात मंगलवार-बुधवार की दरमियानी रात करीब 3 बजे बैढ़न थाने की खुटार चौकी के सामने की है।

अतिरिक्त खनिज अधिकारी विद्याकांत तिवारी ने बताया- रात करीब 2 बजे सूचना मिली कि देवसर इलाके में हाइवा से अवैध रेत ले जाई जा रही है। मैं अपने दो सहयोगियों के साथ बरगवां पहुंचा। वहां हाइवा को रोककर जब दस्तावेज मांगे। ड्राइवर के पास वैध कागज नहीं थे।

टीम जब हाइवा को लेकर बैढ़न थाने की तरफ जा रही थी, तभी चार-पांच गाड़ियों में कुछ बदमाश पीछे आने लगे। खुटार चौकी के सामने उन्होंने हमारी गाड़ियों को घेर लिया। इसके बाद हमला कर दिया।

गाड़ियों के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर जांच कर रहे: खुटार चौकी प्रभारी साहब लाल सिंह ने कहा, 'रात 2:45 बजे हमले की सूचना मिली। मौके पर पहुंचने से पहले ही हमलावर फरार हो चुके थे। माइनिंग अमले की तीन गाड़ियों में तोड़फोड़ की गई। अपराधी अपनी दो गाड़ियां छोड़कर भाग गए। इन सभी वाहनों को चौकी परिसर में रखा गया है।

शासकीय काम में बाधा डालने सहित अन्य धाराओं में दो दर्जन अज्ञात लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है। प्रारंभिक पड़ताल में हमलावरों की एक गाड़ी देवसर के अमितेश द्विवेदी और दूसरी अंबुज पाठक से संबंधित पाई गई है। इसी आधार पर आगे की जांच जारी है। इससे पहले मामले की जानकारी मिलने के बाद देर रात पुलिस अधीक्षक मनीष खत्री, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा भी मौके पर पहुंचे थे।

पुलिस की तीन टीमें छापा मार रहीं: एसपी सिटी पुन्नू परस्ते से बातचीत करते हुए बताया कि पुलिस की तीन टीमें बनाई गई हैं, जो छापामार कार्रवाई करके आरोपियों के गिरफ्तारी के लिए लगी हुई है। जल्द ही सभी हमलावरों को पकड़ लिया जाएगा।

6 हजार किसानों का 110 करोड़ रुपए भुगतान बकाया

समितियों का कमीशन भी नहीं मिला, अब 7 से करेंगे आंदोलन

मीडिया ऑडीटर, शहडोल (निप्र)। एनसीसीएफ द्वारा खरीफ सीजन की फसलों की खरीदी में देरी से भुगतान किसानों और प्रशासन के लिए समस्या बन गई है। शहडोल में 6,153 किसानों का 109.84 करोड़ रुपया अभी तक नहीं मिला है। साथ ही, खरीदी केंद्रों का 9-10 करोड़ रुपए का कमीशन और खर्च भी बकाया है।

धान खरीदी बंद होने के करीब दो माह बाद भी भुगतान नहीं होने से किसानों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है। स्थानीय स्तर से लेकर भोपाल तक प्रशासन द्वारा समस्या का समाधान नहीं किया जा रहा है।

4 मार्च को कलेक्ट्रेट में रबी सीजन के गेहूं खरीदी के लिए प्रशिक्षण रखा गया था। समिति प्रबंधकों ने इस प्रशिक्षण का बहिष्कार कर दिया। उनका कहना है कि पिछले सीजन की गेहूं खरीदी का कमीशन बकाया है। इस साल की धान खरीदी का एक पैसा भी नहीं मिला है।

ब्यौहारी में समितियों को परिवहन के लिए 55 लाख के बजाय मात्र 14 लाख रुपए दिए गए हैं। कमीशन की राशि से ही केंद्रों में मजदूरों का भुगतान और अन्य व्यवस्थाएं की जाती हैं। इस स्थिति के विरोध में किसानों और समिति प्रबंधकों ने 7 मार्च से आंदोलन की घोषणा की है।

ट्रेन की चपेट में आए एनसीएल के डिप्टी मैनेजर, मौत

सुबह 10 बजे से ड्यूटी पर थे, यूपी के गोरखपुर के रहने वाले थे

मीडिया ऑडीटर, सिंगरौली (निप्र)। सिंगरौली जिले के जयंत इलाके में नॉर्दर्न कोल फील्डस लिमिटेड कंपनी (एनसीएल) के डिप्टी मैनेजर वीरेंद्र कुमार की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई। घटना एनसीएल जयंत कोल परियोजना के कोल हैंडलिंग प्लांट (सीएचपी) के पास बुधवार दोपहर करीब 12 बजे की है।

सूचना मिलते ही जयंत पुलिस मौके पर पहुंची। घायल मैनेजर को तुरंत एनसीएल के नेहरू शताब्दी अस्पताल ले जाया गया। वहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

जयंत चौकी प्रभारी सुधाकर सिंह परिहार के अनुसार, घटना सीएचपी में हुई, जहां कन्वेयर के माध्यम से ट्रेन में कोयला लोड किया जाता है। मृतक के शरीर की स्थिति से अनुमान लगाया जा रहा है कि वे ट्रेन की चपेट में आए थे। उनके दोनों पैर बुरी तरह क्षतिग्रस्त पाए गए।

सहकर्मियों के अनुसार, वीरेंद्र कुमार की शिफ्ट सुबह 10 बजे से शाम 5 बजे तक थी। वे सुबह साइट पर पहुंचे थे और काम की देखरेख कर रहे थे। उन्हें सबसे पहले रेलवे ट्रैक के किनारे देखा गया। जब कर्मचारी मौके पर पहुंचे, तब तक संभवतः उनकी मौत हो चुकी थी।

पुलिस मामले की जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि वे कब और कैसे ट्रेन की चपेट में आए।

नौकरी के नाम पर मजदूर से 1 लाख की ठगी

फॉरेस्ट गार्ड और उसके साथी ने 6 साल से न नौकरी दी, न पैसे लौटाए

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर में एक मजदूर के साथ नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित हल्के अहिरवार ने बुधवार को एसपी कार्यालय में शिकायत दर्ज कराई है।

गठेवरा गांव के मजदूर हल्के अहिरवार ने बताया कि बंधा चौकी में तैनात वनरक्षक रामस्वरूप सेन और उसके साथी गगन विश्वकर्मा ने उन्हें नौकरी दिलाने का झांसा दिया था। 2017 में ढाई लाख रुपए में नौकरी लगाने की बात हुई थी। इसमें एक लाख रुपए एडवांस लिए गए थे। बाकी राशि नौकरी लगने के बाद देनी थी।

6 महीने में नौकरी लगाने का वादा किया था: पीड़ित के बेटे संतोष ने बताया कि 22 सितंबर 2017 को एक एफिडेविट बनाया गया था। इसमें 6 महीने में काम नहीं लगने पर पैसे वापस करने का वादा किया गया था, लेकिन 6 साल बीत जाने के बाद भी न तो नौकरी मिली और न ही पैसे वापस किए गए।

वनरक्षक बोले- कुछ पैसे वापस किए, बाकी लौटाने की बात हुई: वनरक्षक रामस्वरूप सेन का कहना है कि उन्होंने और गगन ने 50-50 हजार रुपए लिए थे। कुछ पैसे वापस कर दिए हैं और बाकी लौटाने की बात हुई है। वहीं, सिविल लाइन थाना प्रभारी वाल्मीकि चौबे ने कहा कि मामले की जांच की जाएगी। जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसके आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

27 आदतन अपराधी होंगे जिलाबदर

पुलिस ने प्रस्ताव बनाकर कलेक्टर को भेजा, नगर के 4 बदमाश शामिल

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर पुलिस ने फरवरी 2025 में 27 आदतन अपराधियों को जिला बदर करने का प्रस्ताव तैयार किया है। पुलिस लगातार इन अपराधियों की निगरानी कर रही है। समय-समय पर इनकी परेड भी कराई जाती है।

जिला बदर किए जाने वाले अपराधियों में गुलगंज के पुष्पेंद्र राजपूत, खजुराहो के दादा उर्फ मनोज शुक्ला और लवलेश सिंह, राजनगर के हनी उर्फ हिरदेश पटेल शामिल हैं।

इसके अलावा बमीठा के गोलू उर्फ रंजीत सिंह, हिनौता के राजबहादुर सिंह, मलहरा के निक्की उर्फ निखिल चौरसिया और गोयरा के राकेश यादव भी सूची में हैं। छतरपुर शहर से शेख मुजीब, अजय बिरहा, असलम अंसारी और सौरभ जड़िया को भी जिला बदर किया जाएगा।

पुलिस ने इन सभी आदतन अपराधियों के खिलाफ जिला बदर का प्रस्ताव तैयार कर जिला दंडाधिकारी कार्यालय को भेज दिया है। इस कार्रवाई से जिले में अपराध पर नियंत्रण पाने में मदद मिलेगी।

मोटर पंप चोरी के दो आरोपी गिरफ्तार

18 हजार के पंप बरामद, एक आरोपी अवैध हथियार मामलों में पहले से अपराधी

मीडिया ऑडीटर, छतरपुर (निप्र)। छतरपुर की पठा चौकी पुलिस ने बुधवार को मोटर पंप चोरी के दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों से दो मोटर पंप बरामद किए गए हैं। इनकी कीमत लगभग 18 हजार रुपए है। पठा चौकी प्रभारी रामसिया चौधरी के अनुसार, लवकुशनगर थाना क्षेत्र के ग्राम बरोहा में एक खेत के कुएं से दो मोटर पंप चोरी हुए थे। इस संबंध में लवकुश नगर थाने में चोरी का मामला दर्ज किया गया था। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर क्षेत्र में आने-जाने वाले संदिग्धों की जानकारी जुटाई। पूछताछ के दौरान आरोपियों ने चोरी करना स्वीकार कर लिया। गिरफ्तार आरोपियों में अनीश (पिता रहमत खान) और कल्लू उर्फ कृष्णकांत (पिता संतोष सुल्लेरे) शामिल हैं। दोनों बरोहा के रहने वाले हैं। कृष्णकांत पहले भी अवैध हथियार रखने के दो मामलों में शामिल रह चुका है। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया है और मामले की जांच जारी है।

31 तक होगा रबी फसल का पंजीयन, किसानों को मुफ्त में ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की सुविधा

मीडिया ऑडीटर, अनूपपुर (निप्र)। अनूपपुर जिले में गेहूं बेचने के लिए रजिस्ट्रेशन आगामी 31 मार्च तक चलेगा। यह प्रक्रिया बीते 20 जनवरी से शुरू की गई थी। इस बार किसान दो तरह से पंजीयन करा सकते हैं। पहला, वे पुष्पराजगढ़ तहसील के विभिन्न केंद्रों पर जाकर इन केंद्रों में राजेंद्रगांव, बेनी-बारी, जैतहरी, मझगवां (फुनगा), दुलहरा, अनूपपुर, पसान के कोतमा और बिजुरी के निगवानी शामिल हैं।

प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड मे 54वॉ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस मनाया गया

मीडिया ऑडीटर, सतना (निप्र)। प्रिज़्म जॉनसन लिमिटेड परिसर मे 54वॉ राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस हर्ष उल्लास के साथ बड़ी संख्या मे फैक्ट्री के कर्मचारी व अधिकारियो की उपस्थित मे मनाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सुरक्षा ध्वजारोहण मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंह (प्रेसीडेन्ट एंड प्लांट हेड), दिनेश कुमार (टेक्निकल हेड यूनिट -1), प्रवीण श्रीवास्तव (टेक्निकल हेड यूनिट -2), आर. एल. देशमुख (बिजनेस एक्सेलेन्स एंड सीएजी), ओम प्रकाश वर्मा (इंजिनीयरींग हेड), मनोज कुमार (सिविल एंड एनवारमेंट), प्रवेश शर्मा (क्यू.ए. एंड आर.एम.एच.), डा. देवदत्त मिश्रा (मुख्य चिकित्साधिकारी), कर्नल मनीष प्रसाद (सहायक उपाध्यक्ष-सेक्यूरिटी एंड एडमिन), चंद्रशेखर पंडित (वरिष्ठ महाप्रबंधक- माइंस) और अन्तर्यामी सामल (महाप्रबंधक- पी एंड आई आर) की उपस्थिति में किया गया। साथ ही सुरक्षा वाचन कर सभी वरिष्ठ अधिकारियों, कर्मचारियो एवं कामगार भाइयो को सुरक्षा शपथ दिलाई गई। तत्पश्चात प्रताप देशमुख तथा उनकी टीम के द्वारा स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया।

उपरोक्त आशय की जानकारी देते हुये कंपनी के एजीएम सी.एस.आर. एंड पीआर देवेन्द्र मिश्रा ने बताया कि आज के कार्यक्रम की शुरुआत में मुख्य अतिथि मनीष कुमार सिंह (प्रेसीडेन्ट एंड प्लांट हेड) ने अपने उद्बोधन मे कहा कि आज की आधुनिकता के दौर में हम सुरक्षा की अनदेखी न करें, छोटी-छोटी भूल ही दुर्घटना का कारण बन जाती है। इनसे सतर्क और सुरक्षित रहें। साथ ही साथ नई तकनीक का समुचित उपयोग करें। असुरक्षित कार्यप्रणाली से ही असुरक्षित परिस्थिति पैदा होती है जो बड़ी या छोटी दुर्घटना का कारण बनती है। सुरक्षित कार्य निर्देश और व्यक्तिगत सुरक्षा उपकरण, एस.ओ.पी. की गुणवत्ता की जॉच और निरंतर सुधार पर जोर देने की जरूरत है। हम अपनी सुरक्षा के साथ - साथ हम अपनो की सुरक्षा का ध्यान रखें, ताकि हमारे साथी एवं सहयोगी सुरक्षित रहेंगे तो हमारा कारखाना भी सुरक्षित रहेगा, और कहा कि समाज के हर वर्ग का अधिकार है सुरक्षित रह कर काम करना। सुरक्षा हमारा परम कर्तव्य है इसके लिए उन्होने सभी कर्मचारियों को हमेशा सुरक्षित कार्य प्रणाली अपनाकर कार्य करने के लिए सलाह दी। स्वस्थ रहते हुये सुरक्षित कार्य करें तभी हम सुरक्षित हैं। परिवार की सुरक्षा ही हमारी सुरक्षा है और सुरक्षा ही हमारी प्रगति का मुख्य कार्य है।

कार्यक्रम की अगली कड़ी में कर्मचारी रामबहादुर कुशवाहा, राम सिंह व रामफल पाण्डेय ने रोचक सुरक्षा कविता प्रस्तुत किया तथा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के अवसर पर सुरक्षा से संबंधित लघु नाटिका कर्मचारियों द्वारा प्रस्तुत की गई जो कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण का केन्द्र रहा। कार्यस्थल पर किस प्रकार सुरक्षा उपकरणों के उपयोग से सुरक्षित रह कर कार्य करना चाहिये, यह संदेश इस नाटक से सभी कामगार भाइयों को दिया गया।

इसके अलावा राष्ट्रीय सुरक्षा दिवस के उपलक्ष्य मे विभिन्न सुरक्षा प्रतियोगिताओं का भी आयोजन किया गया था जिसमे सभी स्थाई कर्मचारियों, ठेका श्रमिको तथा उनके परिवारजनो के अलावा स्कूली बच्चो ने भी बढ-चढ कर हिस्सा लिया। चयनित प्रविष्ठियों को पुरस्कार भी प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम में फायर मॉकड्रिल का सफल प्रदर्शन सेफ्टी, सिक्योरिटी, मेडिकल ,एवं पर्सनल विभाग द्वारा किया गया। विपिन कुमार, सेफ्टी इंचार्ज के द्वारा कार्यक्रम का संचालन तथा आभार प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम का समापन राष्ट्रगान द्वारा किया गया एवं अंत मे सभी को प्रसाद वितरण किया गया ।

जेके सीमेंट प्लांट के बाहर हादसा

11 हजार केवी लाइन की चपेट में आने से ट्रक हेल्पर की मौत

मीडिया ऑडीटर, पन्ना (निप्र)। पन्ना जिले के सिमरिया थाना क्षेत्र में बुधवार को जेके सीमेंट प्लांट के बाहर ट्रक हेल्पर भरत कोरी की हाई वोल्टेज करंट लगने से मौत हो गई। हादसे के दौरान भरत अपने ट्रक में सीमेंट लोड करने के बाद प्लांट के बाहर कागजात का इंतजार कर रहा था। इस दौरान वह ट्रक को चेक करने के लिए ऊपर चढ़ा, ट्रक के ऊपर से गुजर रही 11 हजार केवी की बिजली की लाइन की चपेट में आ गया।

ट्रक चालक ने तुरंत भरत को बचाया और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र अमानगंज ले गया।

विचार

मणिपुर में अवैध रूप वसूली का कारोबार

देश का सीमावर्ती राज्य मणिपुर दो वर्षों से हिंसाग्रस्त है। इस राज्य की हिंसा को रोकने की दिशा में जो भी कोशिशें की गईं वे अभी तक तो नाकाम साबित होती आ रही हैं। जातिगत हिंसा के शिकार मणिपुर में मैंतेयी और कुकी समुदाय के बीच दो वर्षों से हो रही हिंसा की वजह से ही पूरा मणिपुर राज्य हिंसाग्रस्त बना हुआ है। हिंसा का आलम यह है कि दोनों समुदाय के लोग आज भी एक दूसरे के क्षेत्र में आ-जा नहीं सकते हैं और यदि कोई धोखे से चला भी गया तो उसके प्राण भी जा सकते हैं। दोनों ही समुदायों के बीच तनाव और कटुता इस कदर बढ़ी हुई है कि दोनों ही समुदायों ने मणिपुर में अवैध रूप से बैरिकेट लगाकर रखे हैं और वहां हर गाड़ी की चेकिंग की जाती है। एक समुदाय के लोगों का बेरीकेटिंग वाले इलाके से गुजरना दूसरे समुदाय के लिए बेहद खतरनाक होता है। इन अवैध बेरीकेट्स पर अवैध रूप से वसूली का कारोबार भी जमकर चल रहा है। इन बैरिकेट्स से गुजरने वाली हर गाड़ी से बलपूर्वक वसूली भी की जाती है। इस जटिल समस्या को हल करने की दिशा में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने सुरक्षा बलों को यह निर्देश दिए हैं कि वह 8 मार्च से राज्य के सभी मार्गों पर लोगों की निर्बाध आवाजाही सुनिश्चित करें और आवाजाही में जो लोग बाधा उत्पन्न करते हैं उनके खिलाफ सख्त कार्यवाही की जाना चाहिए। मणिपुर में सभी रास्तों से अवैध बेरीकेट्स हटाकर मुक्त आवाजाही सुनिश्चित करने और जबरन वसूली करने वालों के खिलाफ कठोर कार्यवाही करने के निर्देश भी गृहमंत्री द्वारा दिए गए हैं। इसके साथ ही मणिपुर में ड्रग्स तस्करों के नेटवर्क के खिलाफ भी अभियान शुरू करने के लिए निर्देश दिए गए हैं। वहीं मणिपुर में म्यांमार से घुसपैठ रोकने के लिए प्राथमिकता के आधार पर सीमा पर बाड़ लगाने की कार्यवाही करने के लिए भी निर्देश दिए गए हैं। गृह मंत्री अमित शाह का यह साफ मानना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र की सरकार मणिपुर में सिर्फ स्थाई शांति बहाली के लिए प्रतिबद्ध है और इसके लिए हर संभव सहायता भी दी जा रही है। अब 8 मार्च से मणिपुर के सभी रास्तों पर लोगों की मुक्त आवाजाही सुनिश्चित की जाने की तैयारी की जा रही है ताकि लोग अब कहीं भी आ जा सकें। मणिपुर में म्यांमार से कुकियों का अवैध घुसपैठ करना एक बड़ा मुद्दा बना हुआ है।

इस अवैध घुसपैठ को रोकने के लिए मणिपुर से लगी अंतर्राष्ट्रीय सीमा पर आवाजाही के लिए चिन्हित किए गए प्रवेश स्थान के दोनों तरफ बाड़ लगाने के काम को भी जल्द ही पूरा करने का लक्ष्य तय किया गया है। भारत सरकार का गृह मंत्रालय पहले ही म्यांमार के साथ 1967 में किए गए मुक्त आवाजाही समझौते को निरस्त कर चुका है।

ट्रंप उठा रहे कड़े कदम

अमेरिका का राष्ट्रपति पद दोबारा संभालने के बाद से डोनाल्ड ट्रंप जिस तरह सरकार के खर्चों को कम करने के लिए एक के बाद एक बड़े कदम उठा रहे हैं उस कड़ी में कुछ और कड़े कदम भी उठाये जा सकते हैं। बताया जा रहा है कि ट्रंप के सहयोगी उनको इस बात के लिए मनाने में सफल होते दिख रहे हैं कि अमेरिका को नाटो और यहां तक कि संयुक्त राष्ट्र, विश्व बैंक तथा आईएमएफ जैसे संस्थानों से भी बाहर निकल जाना चाहिए। हालांकि ट्रंप कोई भी फैसला करने से पहले तमाम मुद्दों पर विचार कर रहे हैं लेकिन वह इस बात के प्रबल पक्षधर हैं कि उनकी ओर से चलाये गये मागा अभियान के तहत देश को उन गठबंधनों या संस्थाओं से बाहर आना चाहिए जो अमेरिकी हितों का याल नहीं करते हैं।

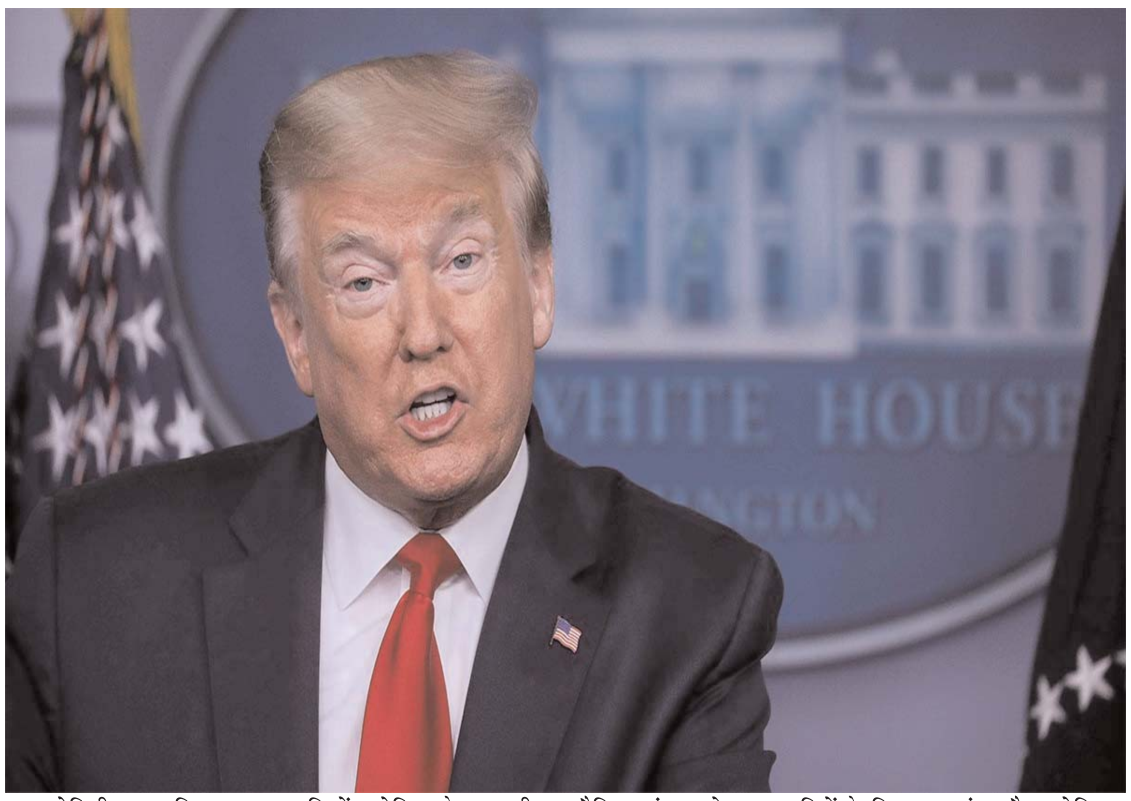

अमेरिकी अरबपति एलन मस्क जिन्हें अमेरिका के सरकारी खजाने से हो रहे फिजूलखर्च को रोकने के लिए बनाये गये सरकारी दक्षता विभाग (डीओजीई) का प्रमुख बनाया गया है, उन्होंने सोशल मीडिया की जानी मानी हस्ती गुंथर ईगलमैन के उस सुझाव का समर्थन किया है जिन्होंने कहा था- यह नाटो और संयुक्त राष्ट्र (यूएन) छोड़ने का समय है। इसके बाद ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एक संदेश के साथ रहस्य को और बढ़ा दिया, उन्होंने कहा, कल की रात बड़ी होगी। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति मंगलवार रात को कांग्रेस के संयुक्त सत्र को संबोधित करने वाले हैं, जहां उनकी पार्टी के पास दोनों सदनों में बहुमत है।

हम आपको बता दें कि नाटो से बाहर आने के लिए तो अमेरिका में कई सांसदों की ओर से सार्वजनिक रूप से बयान भी दिये जाने लगे हैं। रिपब्लिकन सीनेटर माइक ली ने नाटो को शीत युद्ध अवशेष के रूप में वर्णित करते हुए तर्क दिया है कि यह यूरोप को असंगत रूप से लाभ पहुंचाता है। माइक ली काफी समय से नाटो की आलोचना करते रहे हैं। वह कहते रहे हैं कि यह गठबंधन यूरोप के लिए एक बड़ा सौदा है लेकिन अमेरिका के लिए एक कच्चा सौदा है। उन्होंने हाल ही में एक्स पर लिखा था- हमें नाटो से बाहर निकालो। उन्होंने पिछले महीने अन्य सांसदों के साथ मिलकर एक प्रस्ताव पेश किया था जिसमें संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकलने का आग्रह किया गया था और इस वैश्विक संस्था को अत्याचारियों के लिए एक मंच और अमेरिका और उसके सहयोगियों पर हमला करने का स्थान बताया गया था। इसके अलावा ट्रंप के वफादार माने जाने वाले मार्जोरी टेलर ग्रीन भी नाटो से अमेरिका की वापसी का आह्वान करने वालों में से हैं। हम आपको याद दिला दें कि ट्रंप ने पहले भी धमकी दी थी कि यदि अन्य सदस्य अपने रक्षा खर्च को बढ़ाने में विफल रहे तो नाटो को रूसी बस के नीचे फेंक दिया जाएगा। उन्होंने एक बार चेतावनी देते हुए कहा था, वास्तव में, मैं उन्हें (रूस को) जो कुछ भी वे करना चाहते हैं उसे करने के लिए प्रोत्साहित करूंगा। आपको भुगतान करना होगा। आपको अपने बिलों का भुगतान करना होगा। ऐसी ही राय कई अन्य सांसदों, विधायकों ने भी व्यक्त की है। इस तरह देखा जाये तो अब एलन मस्क अमेरिका के नाटो सैन्य गठबंधन से बाहर निकलने के समर्थन में बयान देने वाले अकेले व्यक्ति नहीं रह गये हैं क्योंकि कई रिपब्लिकन सांसदों ने नाटो में अमेरिका की सदस्यता पर सवाल उठाया है, कुछ ने तो इस गठबंधन से तत्काल बाहर निकलने की मांग तेज कर दी है।

इस बीच, यह सवाल उठ रहा है कि क्या अमेरिका नाटो से बाहर निकलने का विकल्प चुन रहा है? दरअसल एलन मस्क द्वारा अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर इसके लिए अपना समर्थन साझा करने के बाद हर कोई यही सवाल पूछ रहा है। सवाल यह भी उठ रहा है कि अगर डोनाल्ड ट्रंप ने मस्क की सलाह पर ध्यान दिया तो अमेरिका और दुनिया के लिए इसका क्या मतलब होगा? इन सवालों का जवाब देने से पहले नाटो के बारे में ट्रंप के रुख को समझना जरूरी है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप इस सैन्य गठबंधन के आलोचक रहे हैं। जब वह पहली बार राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव लड़े थे तब भी उन्होंने इस गठबंधन को अप्रचलित बताया था और अगस्त 2019 में तो उन्होंने यहां तक कहा था कि नाटो मर चुका है। अपने दूसरे कार्यकाल में भी ट्रंप नाटो के आलोचक रहे हैं। पद संभालने के कुछ ही दिनों बाद, ट्रंप ने कहा कि अमेरिका इस गठबंधन के सदस्यों की रक्षा कर रहा था, लेकिन वे हमारी रक्षा नहीं कर रहे थे। उन्होंने नाटो सदस्यों को अपने सकल घरेलू उत्पाद का पांच प्रतिशत रक्षा पर खर्च करने के लिए कहा। अभी नाटो सदस्य अपनी जीडीपी का दो प्रतिशत ही रक्षा पर खर्च करते हैं जिससे अमेरिका नाराज है। ट्रंप की शिकायत है कि अमेरिका अपने बजट से नाटो में बहुत अधिक योगदान देता है जबकि यूरोपीय संघ के सदस्य रक्षा पर बहुत कम खर्च करते हैं। आंकड़ों के मुताबिक, अमेरिका नाटो के वार्षिक बजट का लगभग छठा हिस्सा योगदान देता है।

अब सवाल उठता है कि क्या ट्रम्प नाटो और संयुक्त राष्ट्र से हट सकते हैं? इस बारे में विशेषज्ञों का कहना है कि यदि ट्रंप ऐसा करते हैं तो अमेरिकी राष्ट्रपति के लिए कानूनी रूप से सिरदर्द पैदा हो जाएगा। दरअसल नाटो से बाहर निकलने के राष्ट्रपति के फैसले के लिए या तो दो-तिहाई सीनेट की मंजूरी होनी चाहिए या फैसले को कांग्रेस के एक अधिनियम के माध्यम से अधिकृत होना चाहिए। हालांकि अमेरिकी राष्ट्रपति चाहें तो इस नियम को दरकिनार कर सकते हैं लेकिन यदि उन्होंने ऐसा किया तो उन्हें कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा।

वहीं संयुक्त राष्ट्र की बात करें तो आपको बता दें कि संयुक्त राष्ट्र चार्टर एक बाध्यकारी संधि है, जिसमें स्वैच्छिक वापसी का कोई प्रावधान नहीं है। यहां यह भी ध्यान देने योग्य बात है कि अमेरिका उन पांच देशों में शामिल है जिनको संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में वीटो पावर वाली स्थायी सदस्यता हासिल है। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या अमेरिका वीटो पावर वाली सदस्यता को छोड़ना चाहेगा? सवाल यह भी उठता है कि क्या सदस्यता छोड़ने के बाद यदि अमेरिका पुन: इस विश्व संस्था में लौटा तो उसे आसानी से स्थायी सदस्यता और वीटो शक्ति फिर से मिल पायेगी? हम आपको यह भी बता दें कि संयुक्त राष्ट्र के इतिहास पर नजर डालने से पता चलता है कि मलेशिया के सुरक्षा परिषद में चुने जाने के विरोध में 1965-66 तक संयुक्त राष्ट्र से हटने वाला इंडोनेशिया एकमात्र देश था। हालाँकि, वे 1966 में वापस आ गए थे।

इसके अलावा यदि अमेरिका संयुक्त राष्ट्र से बाहर निकलता है तो इससे इस विश्व निकाय की फंडिंग पर भी असर पड़ेगा क्योंकि अमेरिका ही इस संस्था का सबसे बड़ा योगदानकर्ता है। साथ ही, संयुक्त राष्ट्र से ट्रंप का हटना अमेरिका के उन सिद्धांतों को भी नष्ट कर देगा जिसके चलते अमेरिकी भूमि पर ही इस संस्था की स्थापना की गयी थी। हम आपको यह भी बता दें कि ट्रंप प्रशासन पहले ही विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) से हट चुका है, जिसका असर वैश्विक स्वास्थ्य पर पड़ा है।इसके अलावा, यदि अमेरिका नाटो और संयुक्त राष्ट्र से बाहर आ जाता है तो इसके प्रभाव स्वरूप यूरोप तुरंत संभावित रूसी हमले के निशाने पर आ जायेगा। इसके अलावा यूक्रेन के लिए रक्षा आपूर्ति पूरी तरह ख़त्म हो जाएगी और उसके समक्ष रूस के साथ संघर्षविराम की स्थिति नहीं बल्कि आत्मसमर्पण की परिस्थिति होगी। इसके अलावा, अमेरिका के नाटो छोड़ने की संभावना कई यूरोपीय देशों को अपने सैन्य संसाधनों पर बेशुमार खर्च बढ़ाने के लिए मजबूर कर देगी। वहीं, यदि अमेरिका ने नाटो को छोड़ दिया तो इससे अमेरिका को यह नुकसान होगा कि यूरोप, अफ्रीका या पश्चिम एशिया में उसकी उपस्थिति नहीं रहेगी और दुनिया भर में कई सैन्य अड्डों तक उसकी पहुँच खत्म हो सकती है। इससे अमेरिका को यह भी नुकसान होगा कि कई देश रूस या चीन के करीब आ जायेंगे। बहरहाल, देखना होगा कि अपने सहयोगियों के सुझावों पर ट्रंप क्या फैसला लेते हैं। लेकिन एक चीज तो स्पष्ट है कि यदि अमेरिका नाटो, संयुक्त राष्ट्र, आईएमएफ या विश्व बैंक से बाहर निकलता है तो वह निश्चित रूप से वैश्विक मामलों पर अपनी पकड़ खो देगा और चीन को सशक्त बना देगा। वैश्विक संस्थाओं से अमेरिका की वापसी तमाम देशों को चीन की कक्षा में धकेल देगी, जिससे दुनिया में अमेरिका की बादशाहत कम हो जायेगी। हाँ, ट्रंप के इन कदमों से अमेरिका को यह फायदा जरूर होगा कि उसके पैसे काफी बच जाएंगे। लेकिन सवाल उठता है कि क्या पैसे बचाने के लिए दुनिया का बॉस समझा जाने वाला देश अलग-थलग पड़ जाने का रिस्क उठायेगा?

तमिलनाडु में हिंदी के समर्थन में भी उठी आवाज

संस्कृति का उपादान और उसके नैरंतर्य का जरिया होने की वजह से भाषाएं उन लोगों के लिए भावनात्मक मुद्दा होती हैं, जो उन्हें प्राथमिक जुबान के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम के स्टालिन अपने राजनीतिक फायदे के लिए तमिलनाडु की इसी भावना का इस्तेमाल कर रहे हैं। लेकिन अब हिंदी के समर्थन में तमिलनाडु के भीतर से ही आवाज उठने लगी है। श्रीधर वेंबु तमिल माटी के ही सपूत हैं, इंटरनेट, सॉफ्टवेयर और कारोबार की दुनिया में उनकी कंपनी जोहो का डंका बज रहा है। यही श्रीधर वेंबु खुलेतौर पर कहने लगे हैं कि आइए हम हिंदी सीखें। हिंदी ना जानने की वजह से हो रही कारोबारी दुश्वारियों को वे समझ रहे हैं, इसीलिए वे ना सिर्फ हिंदी सीख रहे हैं, बल्कि इसकी मुनादी भी कर रहे हैं। श्रीधर ने ट्वीटर पर जब हिंदी सीखने की अपील की तो इसे स्टालिन की भाषायी राजनीति के जवाब के तौर पर देखा जाने लगा। ऐसा होना स्वाभाविक भी है। क्योंकि तमिल संस्कृति और भाषा के सम्मान के नाम पर वह तमिल भावनाओं को उभारने की कोशिश कर रहे हैं। इस प्रक्रिया में वे कभी हिंदी को साम्राज्यवादी बताते हैं और जब हिंदी पर यह आरोप साबित नहीं हो पाता तो वह हिंदी पर यह आरोप लगाने से भी पीछे नहीं हटते कि अपने ह्रदय प्रदेश की बोली-बानियों और छोटी भाषाओं के अस्तित्व को उसने निगल लिया है। स्टालिन का यह कहना कि हिंदी ने भोजपुरी, अवधी, अंगिका आदि भाषाओं के अस्तित्व को नष्ट कर दिया है, उसी आरोपबाजी का विस्तार है। जबकि हकीकत यह है कि हिंदी ने अपने ह्रदय प्रदेश की किसी भी भाषा के अस्तित्व को कोई चोट नहीं पहुंचाई है। उलटे हिंदी इन भाषाओं के बीच संपर्क भाषा के रूप में काम कर रही है। वह उन भाषाओं से शब्दों को लेकर समृद्ध भी हो रही है। अवधी, भोजपुरी, बैसवाड़ी या ब्रजभाषी जब अपने भाषा समुदाय से दूर के लोगों से मिलतें हैं, उनके सहज संवाद की भाषा हिंदी होती है। इस संवाद प्रक्रिया में वह हर भाषा से कुछ शब्द लेती है, उन्हें दोनों के बीच के कड़ी के रूप में स्थापित करती है और इस तरह खुद भी समृद्ध होती है और अपनी बोली या उपभाषाओं को भी ताकतवर बनाती है।

महात्मा गांधी ने तमिल और तेलुगू युवाओं से एक सौ सात साल पहले हिंदी सीखने की अपील की थी। उनके ही आह्वान पर 17 जन 1918 को एनी बेसेंट और रामास्वामी अय्यर ने दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा की स्थापना की थी। गांधी जी का सपना था कि तमिल और तेलुगू जैसे अहिंदीभाषी इलाकों के हिंदी को ना सिर्फ सीखें, बल्कि हिंदी को लेकर अपने राज्यों में माहौल बनाएं। गांधी जी का वह सपना सौ साल से अधिक वक्त के बाद सच होता नजर आ रहा है। श्रीधर वेंबू जैसे घोर तमिलभाषी व्यक्ति का हिंदी के समर्थन में सामने आना और उनके साथ तमिलनाडु ही नहीं, कर्नाटक, आंध्र, तेलंगाना आदि के लोगों का खड़ा होना मामूली बात नहीं है। हिंदी को लेकर तमिलनाडु के आम जन की जो छवि कम से कम उत्तर भारत में बनी है, तमिलनाडु से हिंदी के समर्थन में उठने वाली ये आवाजें उसे खंडित कर रही हैं। श्रीधर वेंबु जैसी महत्वपूर्ण स्वरों का हिंदी के समर्थन में उठना तमिलनाडु के आमजनों की कथित हिंदी विरोधी छवि का भी जवाब है। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े रहे आर्थिक विचारक एस गुरूमूर्ति तमिलनाडु के सामाजिक और राजनीतिक हलके की महत्वपूर्ण आवाज हैं। लेकिन हिंदी को लेकर तमिलनाडु में जो सामान्य धारणा रही है,

उसकी वजह से हिंदी समर्थक उनके सुर को तमिल माटी में तवज्जो देने से बचा जाता रहा है। लेकिन श्रीधर वेंबु की आवाज और उनके समर्थन में सोशल मीडिया मंचों पर उमड़े युवा स्वरों ने गुरूमूर्ति की हिंदी समर्थक आवाज को ताकत दी है। गुरूमूर्ति भी खुलकर हिंदी विरोधी राजनीति के खिलाफ अपने तर्क दे रहे हैं और उन तर्कों को तमिलनाडु में ध्यान से सुना-पढ़ा जा रहा है। हिंदी का समर्थन करते हुए श्रीधर यह भी कह रहे हैं कि उनकी कंपनी का कामकाज तमिलनाडु की तुलना में दूसरे राज्यों में ज्यादा है। जहां उनकी कंपनी अपने तमिल अधिकारियों और प्रोफेशनल को भेजने में हिचकती है, क्योंकि वे दूसरे राज्यों में सहज संवाद विशेषकर जमीनी स्तर पर नहीं कर पाते।

1965 में तमिलनाडु में हिंदी विरोधी आंदोलन हुआ था। उसकी वजह यह थी कि संवैधानिक प्रावधानों के चलते हिंदी को राजकाज की भाषा का स्थान लेने के लिए पंद्रह साल की अवधि 25 जनवरी 1965 को पूरी हो रही थी। तब क्षेत्रीय द्रविड़ राजनीति को हिंदी विरोध में अपनी राजनीतिक राह दिखी। तमिल उपराष्ट्रीयता को उन्होंने हिंदी विरोध के नाम उभारा और स्थानीय लोक को अपने पक्ष में लामबंद किया। इसकी वजह से भारत सरकार को हिंदी को राजकाज की भाषा बनाने के संवैधानिक आग्रह को अनंत काल के लिए कानूनी तौर पर टालना पड़ा। इन अर्थों में तमिलनाडु का हिंदी विरोधी आंदोलन सफल कहा जाएगा। उसी वक्त से तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों में त्रिभाषा फॉर्मूला लागू नहीं है, जबकि तकरीबन समूचे देश में पढ़ाई के लिए त्रिभाषा यानी स्थानीय भाषा, हिंदी और अंग्रेजी की पढ़ाई की सुविधा लागू है। साल 2020 में आई नई शिक्षा नीति में फिर से प्राथमिक स्तर से ही त्रिभाषा फॉर्मूला लागू करने की बात की गई है और स्टालिन का हिंदी विरोध इसी फॉर्मूले के विरोध के साथ उभरा है।

तमिलनाडु के सरकारी विद्यालयों से हिंदी भले ही दूर हो, लेकिन सीबीएसई बोर्ड के पाठ्यक्रम लागू करने वाले विद्यालयों में हिंदी की पढ़ाई हो रही है। अखिल भारतीय नौकरियों के मद्देनजर स्थानीय लोग अपने बच्चों को सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में पढ़ा तो रहे ही हैं, बच्चों को अलग से हिंदी की कोचिंग भी दिला रहे हैं। गुरूमूर्ति के अनुसार, तमिलनाडु में सीबीएसई बोर्ड वाले स्कूलों में साठ लाख विद्यार्थी पढ़ रहे हैं, जबकि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों में करीब 83 लाख बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। ये आंकड़े बताते हैं कि तमिलनाडु सरकार के विद्यालयों के बच्चे हिंदी से दूर हैं, जिनकी संख्या सीबीएसई विद्यालयों के विद्यार्थियों का करीब एक सौ बीस गुना ज्यादा है। तमिलनाडु की आज की प्रौढ़ हो चुकी पीढ़ी में एक वर्ग ऐसा भी है, जो सोचता है कि हिंदी विरोधी आंदोलन में हिस्सा लेकर उसने गलती की। इस गलती को सुधारने के लिए वह पीढ़ी अपने बच्चों को हिंदी से घृणा करना सीखने-सिखाने से बचती है। इसके अलावा दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा अब तक सवा दो करोड़ से ज्यादा लोगों को हिंदी सिखा और पढ़ा चुकी है। इसी साल उससे जुड़े विद्यार्थियों की संख्या पांच लाख से कुछ ज्यादा ही है। अब तमिलनाडु में ऐसे लोग मिल जाएंगे, जो हिंदी के समर्थन में आवाज उठाते हैं। ऐसे लोगों में ज्यादातर वे हैं, जिन्होंने तमिलनाडु के बाहर भारतीयों के बीच संपर्क और संवाद के रूप में हिंदी को सहज पाया है और खुद हिंदी ना जानने की वजह से एक हद तक खुद को लाचार समझते रहे हैं।

श्रीधर वेंबु जैसे लोगों का हिंदी के समर्थन में आना, ऐसी आवाजों को ताकत दे रहा है। यही ताकत तमिलनाडु में हिंदी के लिए उम्मीद की किरण है। यह ताकत तमिल उपराष्ट्रीयता के बेजा इस्तेमाल का भी जवाब है।

पटवारी का 30 हजार रिश्वत लेते का वीडियों

जमीन ऑनलाइन चढ़ाने मांगे 60,000, किसान ने बनाया वीडियो, काम नहीं करने पर किया वायरल

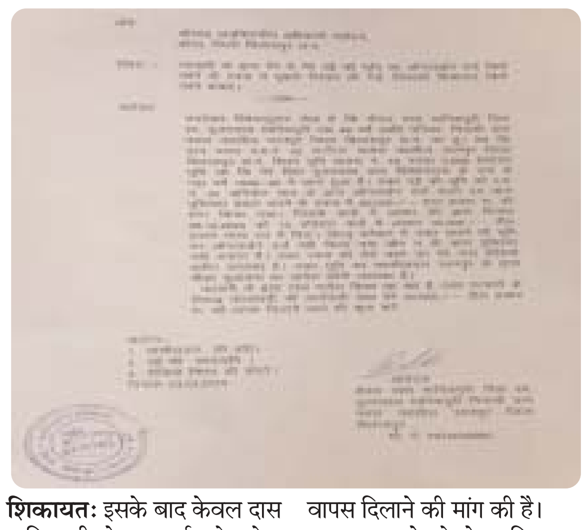

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बिलासपुर में एक पटवारी रिश्वत लेते कैमरे में कैद हुआ है। जमीन ऑनलाइन दर्ज करने और ऋण पुस्तिका जारी करने के एवज में 60 हजार रुपए की डिमांड की थी। पहली किस्त 30 हजार देते किसान ने वीडियो बना लिया। मामला रतनपुर तहसील के पचरा गांव का है।

बताया जा रहा है कि पटवारी ने पैसे लेने के बाद काम नहीं किया तो किसान ने वीडियों को वायरल कर दिया। वीडियो में पटवारी किसान से पैसे लेते और किसान से दूसरी किस्त के लिए बातचीत करते दिख रहा है।

अब जानिए क्या है पूरा मामलाः दरअसल, 26 दिसंबर 2024 को पटवारी अनिकेत साव पचरा गांव आया था। इस दौरान उसने पीड़ित केवल दास मानिकपुरी से पैसे लिए। पटवारी ने वादा किया कि केवल दास के पिता दुलमदास को 1984-85 में जो सरकारी पट्टा मिला था, उसे ऑनलाइन रिकॉर्ड पर अपडेट कर देगा। पटवारी ने किसान से 60 हजार में डील की थी।

इस दौरान किसान केवल दास ने पटवारी को रिश्वत की पहली किस्त देते हुए वीडियो भी बना लिया था। पटवारी ने पैसे लेने के बावजूद न तो जमीन का ऑनलाइन रिकॉर्ड अपडेट किया और न ही ऋण पुस्तिका मिली। केवल दास ने पटवारी से दोबारा संपर्क किया, तो पटवारी बहाने बनाकर टालने लगा।

एसडीएम से की मामले की शिकायतः इसके बाद केवल दास मानिकपुरी ने 4 मार्च को कोटा एसडीएम से शिकायत की। एसडीएम को सबूत के तौर पर वीडियो भी दिया। पटवारी पर धोखाधड़ी और भ्रष्टाचार के तहत कार्रवाई करने की मांग की। इसके अलावा अपने 30 हजार रुपए भी वापस दिलाने की मांग की है।

इस मामले को लेकर शिकायत पर कार्रवाई को लेकर एसडीएम से अपडेट जानने के लिए संपर्क किया, लेकिन एसडीएम से संपर्क नहीं हो सकता है। इस अभी क्या कार्रवाई की गई है प्रशासन की ओर से कोई जानकारी नहीं मिली है।

ट्रेलर ने बाइक सवार को कुचला, मौत

टक्कर के बाद उछलकर सड़क पर गिरा युवक, पहिए के नीचे आया सिर

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर नेशनल हाईवे पर तेज रफ्तार ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार युवक उछलकर सड़क पर गिर गया। इस दौरान ट्रेलर का पहिए युवक के सिर को कुचल दिया और मौके पर ही उसकी मौत हो गई। घटना सिरगिट्टी थाना क्षेत्र की है।

टीआई रजनीश सिंह ने बताया कि, मंगलवार की रात करीब 10. 30 बजे पुलिस को हादसे की जानकारी मिली। रायपुर की तरफ से तेज रफ्तार ट्रेलर मस्तूरी की ओर जा रहा था। धूमा और सिलपहरी बाइपास के पास ट्रेलर ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे युवक का सिर ट्रेलर के पहिए के नीचे दब गया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

मोबाइल से परिजन को दी जानकारीः हादसे की जानकारी मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। इस दौरान की युवक की पहचान करने की कोशिश की गई। लेकिन, उसकी पहचान नहीं हो पाई। पुलिस ने युवक की जेब से मिले मोबाइल पर कॉल किया। इसमें पता चला कि युवक बिल्हा क्षेत्र के ग्राम बिटकुली का रहने वाला था। पुलिस ने परिजन को हादसे की जानकारी दी। वहीं, शव को पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है।

हादसे के बाद भाग ट्रेलर लेकर भागा चालकः इस घटना के बाद आरोपी चालक ट्रेलर लेकर फरार हो गया है। पुलिस सीसीटीवी कैमरे के साथ ही टोल प्लाजा से ट्रेलर की जानकारी जुटाकर आरोपी चालक की तलाश कर रही है।

2 कोयला लदे ट्रेलर भिड़े

ड्राइवर स्टीयरिंग में फंसा, गंभीर हालत में बिलासपुर रेफर, जनवरी से अब तक 15 की मौत

मीडिया ऑडीटर, गौरेला-पेंड्रा-मरवाही (एजेंसी)। गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में सड़क हादसों का सिलसिला जारी है। देर रात गौरेला-वेंकटनगर मुख्यमार्ग पर दौंजरा गांव के पास दो कोयला लदे ट्रेलर आमने-सामने टकरा गए। हादसे में गौरेला की तरफ आ रहे ट्रेलर का केबिन बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। चालक स्टीयरिंग में फंस गया। 112 की टीम ने मौके पर पहुंचकर काफी मशक्कत के बाद चालक को बाहर निकाला।

उसे पहले जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के चलते बिलासपुर सिम्स रेफर कर दिया गया है।

दुर्घटना में ट्रेलर का डीजल टैंक फट गया और ईंधन चारों तरफ फैल गया। अच्छी बात रही कि आग नहीं लगी, वरना कोयले से भरे ट्रेलर में आग लगने से बड़ी जनहानि हो सकती थी।

जिले में 1 जनवरी 2024 से अब तक करीब एक दर्जन सड़क हादसों में 15 लोगों की मौत हो चुकी है। इन हादसों में 60 से अधिक लोग घायल हुए हैं। स्थानीय प्रशासन के पास सड़क हादसों को रोकने का कोई ठोस प्लान नहीं है।

रायपुर हाइपर क्लब गोलीकांड का आरोपी सट्टा खिलाते गिरफ्तार

जगुआर कार और कैश जब्त, विकास का आधा सिर मुड़वाकर जुलूस निकाल चुकी है पुलिस

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर पुलिस ने हाइपर क्लब गोलीकांड के आरोपी विकास अग्रवाल को सट्टा खिलाते गिरफ्तार किया है। वो अपने दोस्त सौरभ जैन के साथ भारत-ऑस्ट्रेलिया सेमी फाइनल क्रिकेट मैच में सट्टा खिला रहा था। डीडी नगर पुलिस और क्राइम ब्रांच ने टेक्निकल इनपुट पर छापेमारी की। दोनों आरोपियों के पास से महंगी जगुआर कार और करीब 2 लाख कैश जब्त किया गया है।

सूत्रों के हवाले खबर है कि, पुलिस को आरोपियों के पास से एक मास्टर आईडी भी मिली है। जो विकास अग्रवाल की है। उसकी मदद से सौरभ जैन सट्टा खिला रहा था। पुलिस को रेड में सट्टा में पैसे लगाने वालों की डिटेल भी मिली हैं। जिसकी जांच की जा रही है। पुलिस आरोपियों के खिलाफ गैंबलिंग एक्ट में एक्शन ले रही है।

अब जानिए.. क्या था हाइपर क्लब गोलीकांडः दरअसल, विकास अग्रवाल रायपुर के गुढियारी का रहने वाला है। 10 फरवरी 2024 को हाइपर क्लब के पार्किंग ग्राउंड में विकास अग्रवाल और भाटागांव के रोहित तोमर के बीच विवाद हुआ। दोनों के बीच किसी युवती से पुराने प्रेम संबंध की बात को लेकर बहसबाजी हो गई।

इस दौरान रोहित तोमर ने गुस्से में विकास की कार में साथी के साथ मिलकर तोड़फोड़ कर दी। उसने विकास के साथ धक्कामुक्की भी की। घटना के बाद विकास ने अपनी लाइसेंसी पिस्टल निकालकर रोहित की तरफ फायरिंग कर दी। रोहित ने जमीन पर बैठकर अपनी जान बचाई। हालांकि घटना में किसी को चोट नहीं आई थी।

बचाव में हवाई फायर किया-विकासः विकास ने रोहित पर आरोप लगाया था कि, उसने अपनी कार में रखे क्रिकेट बैट से उस पर हमला किया। रोहित के साथ उसका दोस्त सारंग मंधान भी शामिल था। इसके अलावा बीयर की बोतल से सीने पर वार किया। बोतल कोहनी पर लगी और खून निकलने लगा। विकास ने कहा था कि उसने अपने बचाव में हवाई फायर किया है।

वहीं, रोहित का आरोप था है कि विकास ने उसके सिर पर फायर किया था, जिससे उसकी मौत हो जाए। लेकिन वो नीचे बैठ गया। इसलिए गोली उसे नहीं लगी। उसकी जान बच गई। तेलीबांधा पुलिस ने दोनों आरोपियों के खिलाफ हत्या के प्रयास के तहत केस दर्ज किया था।

पुलिस ने सिर मुड़वा कर निकाला था जुलूसः हाइपर क्लब गोलीकांड के बाद आरोपियों का पुलिस ने जुलूस निकाला था। इस दौरान आरोपियों का सिर आधा मुड़वा दिया गया था। इसके अलावा उनके कपड़े भी फटे हुए थे। इस घटना के बाद पुलिस ने हाइपर क्लब पर भी एक्शन लिया था। इस घटना में रोहित तोमर विकास अग्रवाल के अलावा सारंग मान्धान और एक साथी अमित तनेजा गिरफ्तार हुए थे।

पेशी के दौरान वीआईपी ट्रीटमेंट भी हुआ था कैमरे में कैदः गोली कांड के बाद पुलिस विकास अग्रवाल को पेशी के लिए रायपुर कोर्ट लेकर आई थी। इस दौरान विकास वीआईपी ट्रीटमेंट लेते हुए कैमरे में कैद हुआ था। सोशल मीडिया पर स्टिंग वीडियो वायरल हुआ था। जिसमें वो बिना हथकड़ी के दोस्तों और रिश्तेदारों से बात करते दिखा था।

इसके अलावा विकास के चाहने वालों ने उसके लिए लंच का बंदोबस्त भी किया था। इस मामले के सामने आने के बाद तत्कालीन एसपी ने जांच के आदेश दिए थे।

एनएच -30 पर धान से भरी ट्रक पलटी

सड़क पर बिखरी धान की बोरियां, बस को रास्ता देने के चक्कर में हादसा

मीडिया ऑडीटर, कांकेर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के बालोद और कांकेर जिले की सीमा पर स्थित मरकाटोला घाट में एक बड़ा हादसा होते-होते टल गया। नेशनल हाइवे-30 पर मंगलवार रात 12 बजे धमतरी से लखनपुरी जा रही धान से भरी ट्रक पलट गई।

घटना उस समय हुई जब एक तेज रफ्तार बस से बचने के लिए ट्रक चालक ने वाहन को सड़क किनारे कर लिया। इस दौरान ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गई।

सड़क पर बिखरा धानः हादसे के समय ट्रक में मौजूद चालक और कंडक्टर दोनों सुरक्षित हैं। ट्रक में लदा सारा धान सड़क पर बिखर गया। अब इस धान को दूसरी गाड़ी में स्थानांतरित किया जा रहा है।

मरकाटोला घाट पर आए दिन इस तरह की घटनाएं होती रहती हैं। एनएच-30 पर वाहन चालक समय बचाने के लिए तेज गति से गाड़ी चलाते हैं। इससे अक्सर हादसे होते हैं। शासन-प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है।

गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड ने लगाई फांसी, रिश्ते में ममेरे भाई-बहन

शादी में जाने के लिए निकली थी लड़की, युवक के गले में मिला सुसाइड नोट

मीडिया ऑडीटर, गरियाबंद (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के गरियाबंद जिले में गर्लफ्रेंड-बॉयफ्रेंड की बरगद के पेड़ पर फंदे से लटकी लाश मिली है। बताया जा रहा है कि लड़की एक रिश्तेदार की शादी में शामिल होने गई थी, लेकिन वह घर नहीं लौटी। तीसरे दिन प्रेमी संग आत्महत्या कर ली। मामला राजिम थाना क्षेत्र के कुम्ही गांव का है। मिली जानकारी के मुताबिक मृतकों की पहचान फिंगेश्वर के खुटेरी गांव निवासी टोकेश्वरी साहू और कुम्ही गांव निवासी टिकेश्वर साहू के रूप में हुई है। टिकेश्वर साहू के गले के पास एक सुसाइड नोट भी मिला है। प्रेमी जोड़े रिश्ते में ममेरे भाई-बहन थे।

अब जानिए क्या है पूरा मामलाः दरअसल, टोकेश्वरी 3 दिन पहले परिवार में होने वाली एक शादी में शामिल होने के लिए घर से निकली थी, वह लौटकर घर नहीं आई। इसके बाद परिजनों को चिंता हुई। परिवार के लोगों ने रिश्तेदारों और आसपास के लोगों से पूछताछ की, लेकिन कुछ पता नहीं चला।

लड़की के पिता पवन कुमार साहू ने बताया कि 5 मार्च को पता चला कि बेटी टोकेश्वरी साहू और टिकेश्वर साहू की फंदे पर लाश मिली है। इसके बाद वह मौके पर पहुंचे। पुलिस को भी सूचना दी गई। राजिम पुलिस ने शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है।

प्रेमी जोड़े रिश्ते में ममेरे भाई-बहनः कुम्ही गांव के लोगों के मुताबिक, उन्होंने सुबह शवों को देखा। लड़का-लड़की को फंदे से लटकता देख ग्रामीणों की भीड़ जमा हो गई। गांव में चर्चा है कि रिश्ते में ममेरे भाई-बहन होने के कारण शादी में कुछ दिक्कत आ रही होगी, जिससे दोनों ने आत्मघाती कदम उठाया है।

पुलिस हर एंगल से कर रही जांचः वहीं पुलिस ने लड़के के गले से एक सुसाइड नोट बरामद किया है, जिसे सार्वजनिक नहीं किया है कि उसमें क्या लिखा है। हालांकि सवाल यह भी है कि अगर प्रेमी जोड़े ने सुसाइड किया है, तो सुसाइड नोट को जेब में रखते। गले के पास क्यों रखा। इस एंगल से भी जांच की जा रही है।

मेयर बदलने के बाद पहला एक्शन

मौदहापारा में सालों से जमे कब्जों पर चला बुलडोजर, सड़क किनारे अवैध ठेलों को किया जब्त

मीडिया ऑडीटर, रायपुर (एजेंसी)। रायपुर में मेयर मीनल चौबे के पदभार ग्रहण करने बाद निगम और पुलिस की संयुक्त टीम ने पहला एक्शन लिया है। मौदहापारा इलाके में सालों से जमे अवैध कब्जों को हटाया गया है। इस दौरान बड़ा संख्या में निगम अधिकारियों के साथ पुलिस की टीम भी मौजूद रही।

मंगलवार को जयस्तंभ चौक से फाफाडीह चौक जाने वाली सड़क के सामने अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई की गई है। साथ ही सड़क में लगे ठेले-गुमटियों को भी जब्त किया गया।

बुलडोजर के साथ पहुंचा नगर निगम का अमलाः मंगलवार सुबह से ही नगर निगम और पुलिस की टीम अवैध दुकानों और ठेलों को हटाने की कार्रवाई कर रही थी। जिस समय ये कार्रवाई की जा रही थी उस समय निगम अमला बुलडोजर लेकर पहुंचा था। साथ ही दुकान के बाहर सड़क पर बोर्ड और सामान फैलाकर अतिक्रमण करने वाले दुकानदारों के सामान भी जब्त किए गए हैं।

रोज लगता है जामः जहां निगम ने एक्शन लिया है वह शहर की प्रमुख सड़कों में से एक है। अधिकारियों ने बताया कि सड़क किनारे दुकान लगाने और कब्जे से कारण रोजाना लंबा जाम लगता है। जिसके कारण पब्लिक को परेशानी होती है। आज कार्रवाई करते हुए दुकानदारों को भी समझाइश दी गई है।

रोजाना की जाएगी कार्रवाईः अधिकारियों ने बताया कि जहां सड़कों से आगे बढ़ाकर होर्डिंग्स लगाई गई है। ऐसे दुकानदारों पर भी जब्ती की कार्रवाई की गई है। अवैध अतिक्रमण के खिलाफ ये एक्शन लगातार जारी रहेगा। सड़कों के किनारे खड़ी कंडम गाड़ियों को भी जब्त किया जा रहा है। यातायात बाधित करने वाले वाहन चालकों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। यह टीम रोजाना यातायात बाधित होने वाले सड़कों पर पहुंचेगी और कार्रवाई करेगी।

चोरी के माल से भरा ट्रक पकड़ाया

20 क्विंटल लोहा, टीन और छड़ें जब्त, एक आरोपी गिरफ्तार

मीडिया ऑडीटर, बिलासपुर (एजेंसी)। बिलासपुर जिले की कोटा पुलिस ने चोरी के माल से भरा ट्रक पकड़ा है। पुलिस को सूचना मिली थी कि एक ट्रक में बड़ी मात्रा में चोरी का लोहा ले जाया जा रहा है। एसपी रजनेश सिंह के निर्देशन में चल रहे चेतना अभियान के तहत यह कार्रवाई की गई। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक (ग्रामीण) अर्चना झा और एसडीओपी कोटा नुपूर उपाध्याय के मार्गदर्शन में टीम ने लखोदना मोड़ के पास रेड की।

जरहागांव (मुंगेली) से कोटा की ओर जा रहे ट्रक (नंबर सीजी 11 एबी 0615) से 20 क्विंटल लोहे का सामान बरामद किया गया। इसमें टीन और छड़ें शामिल हैं, जिनकी कीमत करीब 50 हजार रुपए है। ट्रक की कीमत 2.5 लाख रुपए है।

पुलिस ने मामले में बरेला निवासी सोनू राम साहू को गिरफ्तार किया है। आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

नागपुर-चिरमिरी रेलवे हॉल्टलाइन परियोजना हेतु भूमि अधिग्रहण को लेकर अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ने की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, एमसीबी (निप्र)। नागपुर-चिरमिरी रेलवे हॉटलाइन परियोजना के लिए भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया को लेकर प्रशासन ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है। कलेक्टर डी. राहुल वेंकट के निर्देशानुसार अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) लिंगराज सिदार ने भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया से संबंधित सुनवाई आयोजित की।

इस परियोजना के तहत चिरईपानी, बंजी, सरोला, सरभोका, खैरबना सहित अन्य गांवों की भूमि अधिग्रहण की जानी है। पूर्व में रेलवे व राजस्व विभाग द्वारा भूमि चयन हेतु सर्वे किया गया था, लेकिन कई मामलों में खसरा नंबर, रकबा, भूमि स्वामित्व, जाति संबंधी त्रुटियां सामने आई थीं। इन्हीं त्रुटियों को सुधारने के लिए आज 05 मार्च 2025 को न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) में भूमि स्वामियों को विधिवत सूचना देकर उनकी सुनवाई की गई। सुनवाई के दौरान भूमि स्वामियों की आपत्तियों और दस्तावेजों की जांच की गई ताकि अधिग्रहण प्रक्रिया में पारदर्शिता बनी रहे और किसी भी किसान या हितधारक को अनावश्यक परेशानी न हो। प्रशासन ने स्पष्ट किया कि सभी प्रभावित किसानों को नियमानुसार मुआवजा दिया जाएगा और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पूरी तरह से कानूनी प्रावधानों के तहत संचालित की जाएगी।

दंतेवाड़ा में विश्व प्रसिद्ध फागुन मेला शुरू, 600 साल पहले शिकार से शुरू हुई परंपरा, 15 मार्च तक निभाई जाएंगी रस्में, 1000 देवी-देवता पहुंचेंगे

मीडिया ऑडीटर, जगदलपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा में आज 5 मार्च को कलश स्थापना के बाद प्रसिद्ध फागुन मेला की शुरुआत होगी। आज पहली पालकी निकलेगी। 15 मार्च को देवी-देवताओं की विदाई तक फागुन मेला चलेगा। हर दिन मां दंतेश्वरी की विशेष पूजा अर्चना होगी। साथ ही आखेट की विभिन्न रस्म अदा कर 600 साल पुरानी परंपरा निभाई जाएगी।

इससे पहले बसंत पंचमी के दिन दंतेश्वरी मंदिर में त्रिशूल की स्थापना की गई। फागुन मेला में शामिल होने छत्तीसगढ़ के अलावा ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना जैसे राज्यों से भी 1 हजार से ज्यादा देवी-देवता आएंगे। वहीं इस साल फागुन मेला के लिए टेंपल कमेटी ने करीब 45 लाख रुपए का बजट रखा है।

ऐसे शुरू हुआ फागुन मेलाः किवदंतियों के मुताबिक, करीब 600 साल पहले आखेट (शिकार) प्रचलित था। जंगली जानवर किसानों की फसलें खराब कर देते थे। ग्रामीण इस समस्या के निदान के लिए राजा-महाराजा के पास गए। तब तत्कालीन राजा ने जानवरों का शिकार करना शुरू किया था। राजा जब शिकार करते, तो दैवीय शक्ति की वजह से तीर लगने के बाद भी जानवर मरते नहीं थे। फिर राजा ने जानवरों के शिकार के लिए आराध्य देवी माता दंतेश्वरी की आराधना कर अनुमति ली थी। इसके बाद शिकार शुरू किया गया था। अनुमति लेने वाले दिन से ही फागुन मड़ई की शुरुआत हुई थी। इसके बाद धीरे-धीरे स्थानीय देवी-देवताओं को भी इस मड़ई में शामिल किया जाने लगा।

फागुन मेला आखेट (शिकार) के लिए प्रसिद्धः दंतेवाड़ा के दंतेश्वरी मंदिर के पुजारी लोकेंद्र नाथ जिया की माने तो फागुन मेला आखेट (शिकार) के लिए प्रसिद्ध है। इसमें रस्में तिथि और समय के अनुसार 10 से 11 दिनों तक चलती हैं। अब शिकार का नाट्य रूपांतरण कर परंपरा निभाई जाती है।

त्रिशूल स्थापना से होती है मड़ई की शुरुआतः हर साल बसंत पंचमी के दिन माता दंतेश्वरी के मंदिर में गरुड़ स्तंभ के सामने त्रिशूल स्थापित किया जाता है। यह मेला शुरू करने की सबसे पहली रस्म होती है। फिर कुछ दिन बाद फागुन महीने में देवी की पूजा समेत दूसरी रस्में शुरू होती हैं। इस बीच मेले में शामिल होने के लिए निमंत्रण पत्र तैयार किया जाता है, जिसे देवी-देवताओं को भेजा जाता है।

9 दिन होती है देवी की विशेष पूजाः फागुन मेले में नवरात्रि की ही तरह माता दंतेश्वरी की 9 दिनों तक विशेष पूजा-अर्चना होती है। 10वें दिन यानी होली के दिन मेला भरता है। यहां ताड़ के पत्तों से होलिका दहन करने की परंपरा भी है। मेले के अंत में देवी-देवताओं को विदाई दी जाती है। श्रीफल और नेग भी दिया जाता है।

इन इलाकों से ये देवी-देवता हुए थे शामिलः पिछले साल बस्तर के अलावा ओडिशा, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और महाराष्ट्र बॉर्डर से भी देवी-देवता आए थे। पहली बार भद्रकाली और मेडाराम की देवी भी शामिल हुईं थीं। ओडिशा के 7 से 8 देवी-देवता मेले में शामिल हुए थे। इनमें कोसागुमड़ा गांव से हिंगलाजिन, तेलंगाना के मेडाराम से चिकलादई और बामनदई माता मेले में शामिल हुईं। बस्तर से काली कंकालीन देवी समेत अन्य देवी-देवता शामिल हुए थे।

मुख्यमंत्री ने ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में अतिथि देवो भव-के भाव को किया चरितार्थ

भोपाल (एजेंसी)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट के पर्यटन व संस्कृति पर केंद्रित सत्र में कहा था कि मेले का मतलब है मेल-जोल बढ़ाना और ग्लोबल इंवेस्टर्स समिट, उद्योगपतियों-निवेशकों-उद्यमियों और सरकार व प्रदेशवासियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने का प्रभावी माध्यम है। भोपाल में पहली बार आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में देश दुनिया के प्रमुख उद्योगपति, निवेशक, यंग इन्वेस्टर, जनप्रतिनिधि और अधिकारी शामिल हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशानुसार निवेश के इस महाकुंभ में पधार रहे सभी अतिथियों का स्वागत-सत्कार, भारतीय संस्कृति के अतिथि देवो भव के भाव जीआईएस में साकार हुआ। उनका विचार था कि यह आयोजन परस्पर मेल-जोल, सद्भावना और सुखद अनुभूति के साथ हो और समिट की सुमधुर स्मृतियां, लंबे चलने वाले संबंधों का आधार बनें। अतः इस वैश्विक आयोजन में अतिथियों के आवागमन-आवास और भोजन की व्यवस्था के प्रति आरंभ से ही विशेष संवेदनशीलता रही।

वैश्विक सम्मेलन में, विविधता से भरे हमारे देश के विभिन्न भागों के साथ-साथ दुनिया के लगभग 60 देशों के प्रतिनिधि शामिल हुए। भोजन, सभी की मूल आवश्यकता है, परंतु अलग-अलग सामाजिक - सांस्कृतिक-भौगोलिक परिवेश के कारण भोजन के लिए लोगों की आदतें, रुचियां और आवश्यकताएं अलग-अलग होती हैं। विभिन्न क्षेत्रों से आए इन विशिष्ट जन के लिए भोजन की व्यवस्था एक चुनौती थी। विविधता भरे समागम में सभी के स्वाद और संतुष्टि के अनुरूप भोजन की व्यवस्था करना, एक प्रकार से अपनी दक्षता का प्रमाण देने जैसा था।

भोजन हमारी संपन्नता-सांस्कृतिक विविधता और समृद्ध विरासत को अभिव्यक्त करने का माध्यम है। यह माना जाता है कि भोजन में लोगों को जोड़ने की अद्भुत क्षमता है। अच्छे स्वाद-सुगंध-स्पर्श और आकर्षक प्रस्तुतिकरण से भोजन की यह क्षमता और बढ़ जाती है। देश के दिल में बसे मध्यप्रदेश का भोजन, नए बदलावों को समरसता के साथ आत्मसात करने का प्रतीक है। स्वरुचि भोज परस्पर सौहार्द पैदा करने की सामर्थ्य रखते हैं। ग्लोबल समिट के लंच डिनर सेशन, प्रदेश की संपन्नता और आत्मीय तथा सर्व समावेशी व्यवहार के प्रकटीकरण का माध्यम बने। मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा दिए गए भोज देश-विदेश के उद्योग समूहों को मध्यप्रदेश के करीब लाने और उनमें राज्य के प्रति रुचि विकसित करने तथा परस्पर मेल-जोल बढ़ाने में सफल रहे।

अबू आजमी बजट सत्र तक के लिए सस्पेंड

मुंबई (एजेंसी)। मुगल शासक औरंगजेब की तारीफ करने के बाद महाराष्ट्र के सपा विधायक अबू आजमी को पूरे बजट सत्र के लिए सस्पेंड कर दिया गया है। महाराष्ट्र का बजट सत्र 3 मार्च को शुरू हुआ और 26 मार्च को खत्म होगा। संसदीय कार्य मंत्री चंद्रकांत पाटील ने सदन में एक प्रस्ताव पेश करते हुए कहा कि आजमी ने जो टिप्पणी की, उससे सदन की प्रतिष्ठा को ठेस पहुंची है, जिसके कारण उनकी सदस्यता को बजट सत्र के लिए निलंबित करने का प्रस्ताव रखा गया था। प्रस्ताव को सदन में अध्यक्ष ने पारित कर दिया। उधर यूपी बजट सत्र के आखिरी दिन सीएम योगी ने विधान परिषद में अबू आजमी के बयान का जिक्र किया। योगी ने बोले- भारत की आस्था को रौंदने वाले का महिमामंडन करने वाले सदस्य को सपा से बाहर निकाल देना चाहिए। उसे (अबू आजमी) यहां बुलाइए। उत्तर प्रदेश ऐसे लोगों का उपचार करने में देर नहीं करता।

स्टालिन बोले- परिसीमन 1971 की जनगणना के अनुसार हो

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु सीएम एमके स्टालिन के नेतृत्व में बुधवार को जनगणना आधारित परिसीमन और ट्राई लैंग्वेज वॉर पर सर्वदलीय बैठक हुई। स्टालिन ने परिसीमन के मुद्दे पर दक्षिण भारतीय राज्यों के राजनीतिक पार्टियों को मिलाकर एक जॉइंट एक्शन कमेटी बनाने का प्रस्ताव रखा। स्टालिन ने कहा कि अगर संसद में सीटें बढ़ती है तो 1971 की जनगणना को आधार बनाया जाए। उन्होंने यह भी मांग करते हुए कहा कि 2026 के बाद अगले 30 साल तक लोकसभा सीटों के बाउंड्री करते समय 1971 की जनगणना को ही मानक माना जाए। ट्राई लैंग्वेज को लेकर केंद्र पर हमला करते हुए स्टालिन ने कहा कि अगर भाजपा का यह दावा सच है कि हमारे माननीय प्रधानमंत्री को तमिल से बहुत प्यार है, तो यह कभी भी काम में क्यों नहीं दिखता?

कन्नड़ एक्ट्रेस एयरपोर्ट पर 15 किलो सोने के साथ गिरफ्तार

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर कन्नड़ एक्ट्रेस रान्या राव को 3 मार्च की देर शाम डायरेक्टरेट ऑफ रेवेन्यू इंटेलिजेंस ने 14.8 किलो सोने के साथ गिरफ्तार किया। इसकी जानकारी बुधवार (5 मार्च) को सामने आई है। रान्या कर्नाटक पुलिस हाउसिंग कॉर्पोरेशन के डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस रामचंद्र राव की सौतेली बेटी हैं। उन्होंने कन्नड़ फिल्मों माणिक्य और पटाकी में काम किया है। कोर्ट ने उन्हें 14 दिनों की न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। डीआरआई अधिकारियों के मुताबिक, रान्या राव दुबई से एमिरेट्स फ्लाइट के जरिए भारत लौटी थीं। सुरक्षा एजेंसियां पहले से ही उनकी एक्टिविटी पर नजर रख रही थीं, क्योंकि वह पिछले 15 दिनों में 4 बार दुबई जा चुकी थीं। रान्या के अपने कपड़ों में सोना छिपाए हुई थीं। जिसकी कीमत 12.56 करोड़ रुपए है। इसके अलावा पुलिस ने उसके घर पर भी रेड की। वहां से 2 करोड़ कीमत का सोना और 2 करोड़ रुपए कैश बरामद हुआ।

केंद्र ने केदारनाथ और हेमकुंड साहिब रोप-वे को मंजूरी दी

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र ने केदारनाथ धाम और हेमकुंड साहिब के लिए रोप-वे प्रोजेक्ट को मंजूरी दे दी। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, अभी जो यात्रा 8-9 घंटे में पूरी होती है, वह घटकर 36 मिनट की हो जाएगी। इसमें 36 लोगों के बैठने की क्षमता होगी। राष्ट्रीय रोपवे विकास कार्यक्रम के तहत उत्तराखंड में सोनप्रयाग से केदारनाथ तक (12.9 किमी) और गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब जी तक (12.4 किमी) का रोपवे बनेगा। नेशनल हाईवे लॉजिस्टिक मैनेजमेंट इसे बनाएगा। भगवान शिव का मंदिर

केदारनाथ में है। यह समुद्र तल से 3,584 मीटर की ऊंचाई पर है। यहां मंदाकिनी नदी है। केदारनाथ धाम भगवान शिव के 12 ज्योतिर्लिंगों में से एक है। हर घंटे 1800 यात्रियों को रोपवे से केदारनाथ पहुंचाया जाएगा। केदारनाथ में बनने वाला रोपवे सबसे एडवांस्ड ट्राई केबल डिटेचेबल गोंडोला टेक्नीक वाला होगा। इससे हर घंटे 1800 और हर दिन 18 हजार तीर्थ यात्रियों को पहुंचाया जाएगा। केदारनाथ जाने में एक तरफ से कम से कम 9 घंटे का समय लगता है। रोपवे बन जाने के बाद यह यात्रा 36 मिनट में होगी। केदारनाथ मंदिर तक की यात्रा गौरीकुंड से 16 किमी की कठिन चढ़ाई है। अभी इसे पैदल, पालकी, टट्टू और हेलिकॉप्टर से पूरा किया जाता है। हेमकुंड साहिब के रोपवे पर 2,730.13 करोड़ रुपए खर्च होंगे गोविंदघाट से हेमकुंड साहिब तक 12.4 किमी रोपवे बनेगा। इसमें 2,730.13 करोड़ रुपए खर्च होंगे। रोपवे से हर घंटे 1100 और हर दिन 11 हजार यात्रियों को ले जाया जाएगा।

मणिशंकर बोले-राजीव 2 बार फेल होने के बावजूद पीएम बने

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्व केंद्रीय मंत्री और कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर ने एक फिर विवादित बयान दिया है। इस बार पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की शिक्षा पर ही सवाल उठाए हैं। उन्होंने एक इंटरव्यू में कहा, आश्चर्य है इतने कमजोर एजुकेशन रिकॉर्ड वाले व्यक्ति को प्रधानमंत्री कैसे बनाया गया। भाजपा नेता अमित मालवीय ने बुधवार को अपने एक्स हैंडल पर अय्यर का इंटरव्यू वाला वीडियो शेयर किया। मणिशंकर के बयान पर कांग्रेस नेता हरीश रावत ने कहा, मैं किसी हताश इंसान पर टिप्पणी नहीं करना चाहता। मैं राजीव गांधी को जानता था, उन्होंने देश को मॉडर्न विजन

दिया। मणिशंकर अय्यर बोले- गांधी परिवार ने मेरा करियर बर्बाद किया करीब 3 महीने पहले मणिशंकर अय्यर ने कहा था पिछले 10 साल में उन्हें सोनिया गांधी से सिर्फ एक बार मिलने का मौका मिला है।

पुणे रेप केस- पीड़ित के वकील ने दावे खारिज किए

पुणे (एजेंसी)। पुणे में बस डिपो में महिला के साथ हुए रेप पर सोशल मीडिया पर सवाल उठाए जा रहे हैं। लोगों का दावा है कि पीड़ित आरोपी को पहले से जानती थी। उससे पैसे लिए थे और सब कुछ सहमति से हुआ था। लेकिन इन आरोपों को पीड़ित पक्ष के वकील ने कोर्ट में मंगलवार को हुई सुनवाई में बेबुनियाद बताया। वकील ने कोर्ट से कहा कि पीड़ित की छवि को खराब किया जा रहा है, जिससे वह मानसिक दबाव में है। ऐसी झूठी कहानियों पर रोक लगाने का आदेश दिया जाए। इस मामले में बुधवार (5 मार्च) को भी सुनवाई होगी। पीड़ित से आरोपी ने कहा था- दीदी कहां जा रही हो घटना के बारे में जानकारी देते हुए पुणे की डिप्टी कमिश्नर स्मार्तना पाटिल ने कहा- 26 साल की महिला घरों में काम करती है। वह अपने गांव जाने के लिए 25 फरवरी सुबह 5 बजे के आसपास बस का इंतजार कर रही थी। आरोपी ने उसे दीदी कहकर पूछा कि कहां जा रही हो? पीड़ित ने बताया कि मुझे अपने गांव जाना है। इसके बाद उसने उसे कहा कि आपकी बस दूसरी जगह खड़ी है। चलो मैं छोड़ देता हूं। पीड़ित बोली- नहीं बस यहीं पर आती है। इस पर आरोपी ने बोला में 10 साल से यहां हूं, चलो मैं छोड़ देता हूं। महिला मान गई और उसके साथ बस पार्किंग एरिया की ओर चली गई। युवक उसे शिवशाही बस की ओर इशारा करते हुए अंदर जाने को कहा। बस में रोशनी नहीं थी। इस पर महिला ने झिझकते हुए युवक से पूछा कि - लाइट नहीं जल रही है। युवक ने उससे कहा कि अन्य यात्री सो रहे हैं, इसलिए अंधेरा है। जैसे ही वह बस में चढ़ी आरोपी ने दरवाजा बंद कर दिया और उसके साथ रेप किया।

हाईकोर्ट जज बोले- महिलाओं की पूजा नहीं, सम्मान जरूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस देवेंद्र कुमार उपाध्याय ने कहा कि महिलाओं को पूजा से ज्यादा सम्मान की जरूरत है। उन्हें सम्मान दिया जाए। जहां महिलाओं का सम्मान होता है, वहां देवता वास करते हैं। हमें माइंडसेट बदलना होगा। जेंडर इक्वालिटी अभी भी अधूरी है। जस्टिस उपाध्याय मंगलवार को दिल्ली स्टेट लीगल सर्विस अथॉरिटी के कार्यक्रम में मौजूद थे। चीफ जस्टिस ने आगे कहा कि आज भी समाज में महिलाओं को पूरा सम्मान और समानता नहीं मिली है। हमें बदलाव लाने की जरूरत है। इस कार्यक्रम में चीफ गेस्ट सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस केवी विश्वनाथन भी थे। साथ में दिल्ली हाईकोर्ट के कई जस्टिस मौजूद थे। कार्यक्रम में उन महिला वकीलों को भी सम्मानित किया गया, जिन्होंने कानूनी सेवाओं में बेहतरीन योगदान दिया है। क्या है वीरांगना प्रोजेक्ट, पीड़ित महिलाओं के लिए एक पहल ने वीरांगना प्रोजेक्ट शुरू किया है। जिसके तहत महिलाओं को पैरा-लीगल वालंटियर के रूप में तैयार किया जा रहा है। ये महिलाएं दो दिन की ट्रेनिंग के बाद कानूनी सहायता कार्यों में शामिल होंगी।

भाजपा बोली- पश्चिम बंगाल के जातीय सर्वे से भेदभाव बढ़ेगा

कोलकाता (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल भाजपा के महासचिव जगन्नाथ चटर्जी ने बुधवार को कहा- टीएमसी सरकार जाति आधारित सर्वे कराकर सांप्रदायिक भेदभाव बढ़ाना चाहती है। इसका मकसद मुस्लिम ओबीसी को फायदा पहुंचाना है, इससे हिंदू ओबीसी को नुकसान होगा। दरअसल, 27 फरवरी को ममता बनर्जी ने कहा था कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है। चुनाव आयोग भी इसमें उनकी मदद कर रहे हैं। मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि वे वोटर लिस्ट की जांच करें। किसी भी दिन एनआरसी और सीएए के नाम पर सही वोटर्स के नाम हटाए जा सकते हैं। इसके जवाब में चुनाव आयोग ने कहा था कि पहले के मैनुअल सिस्टम में ईपीआईसी नंबर गलत तरीके से दिए गए थे। लेकिन अब यह प्रक्रिया (इलेक्टोरल रोल मैनेजमेंट सिस्टम) पर शिफ्ट हो चुकी है, जिससे यह गलती दोबारा नहीं होगी। जगन्नाथ चटर्जी बोले- सर्वे में पूछे गए सवाल सांप्रदायिक और गैरकानूनी चटर्जी ने कहा कि सर्वे में पूछे जा रहे सवाल हिंदू और मुस्लिमों के बीच विभाजन पैदा करेंगे। ये सांप्रदायिक और गैरकानूनी दोनों हैं। सर्वे में पूछा जा रहा है कि क्या आप अपने पड़ोसियों के साथ खाना साझा करते है। आज-तक इस तरह के सवाल हमने कभी नहीं देखे। जातीय सर्वे के जरिए जानबूझकर सांप्रदायिक दरार पैदा करने की कोशिश की जा रही है। ममता बोली- भाजपा ने दिल्ली-महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटों से जीता ममता बनर्जी ने 27 फरवरी पार्टी कार्यकर्ताओं की एक मीटिंग में भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटों के जरिए जीता। इसमें चुनाव आयोग ने मदद की। भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग के ऑफिस में बैठकर ऑनलाइन फर्जी मतदाता सूची बनाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है।

किसानों का मार्च, पंजाब-चंडीगढ़ बॉर्डर सील

नई दिल्ली (एजेंसी)। संयुक्त किसान मोर्चा (SKM) आज, 5 मार्च से चंडीगढ़ के सेक्टर 34 में अनिश्चितकालीन धरना लगाएगा। किसानों ने ट्रैक्टर ट्रालियां लेकर मोहाली से चंडीगढ़ में घुसने का ऐलान किया है। किसान SKM की गारंटी के कानून समेत 13 मांगों को लेकर यह प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि अभी तक उन्हें चंडीगढ़ प्रशासन से धरने की परमिशन नहीं मिली है। इसे देखते हुए चंडीगढ़ पुलिस ने पंजाब से सटे सारे बॉर्डर सील कर दिए हैं। यहां तक कि किसान चंडीगढ़ में न घुसें, इसके लिए पुलिस बाइकसवारों के भी झूठ फ्लफ चेक कर रही है। मोहाली में रोपड़ जिले से आए 100 किसानों को पुलिस ने हिरासत में लिया है। उनकी 15 ट्रैक्टर ट्रॉलियां कब्जे में ली हैं। किसानों ने अपने ट्रैक्टर की नंबर प्लेट पर रंग किया हुआ है, ताकि सीसीटीवी कैमरों से उनकी पहचान न हो पाए। वहीं भारतीय किसान यूनियन (एकता-उगराहां) के प्रधान जोगिंदर सिंह उगराहां ने आंदोलनकारी किसानों से अपील की कि पुलिस जहां रोके, वहीं सड़क किनारे खाली जगह पर बैठ जाएं। उन्होंने कहा कि सड़क जाम करने का आरोप लगा पंजाब पुलिस पर किसानों को बदनाम करने की साजिश रच रही है। चंडीगढ़ मोहाली बॉर्डर पर पुलिस ने नाके पर कार सवार 3 युवकों को हिरासत में लिया है। तीनों के पास हथियार बरामद हुए हैं। पुलिस ने उनसे हथियार से जुड़े लाइसेंस मांगे तो वह नहीं दिखा पाए। उन्होंने पुलिस को बताया कि वह बिल्डर के सुरक्षाकर्मी हैं। फिलहाल पुलिस उनसे पूछताछ कर रही है।

मायावती के ऑफर को आकाश आनंद के पिता ने ठुकराया

उत्तर प्रदेश (एजेंसी)। बहुजन समाज पार्टी यानी बसपा में शुरू हुआ पारिवारिक विवाद अब बढ़ता जा रहा है। मायावती की भतीजे आकाश आनंद से अनबन के बाद अब भाई आनंद कुमार से भी नहीं बन रही। मायावती ने 3 दिन पहले भतीजे आकाश आनंद को नेशनल कोऑर्डिनेटर पद से हटा दिया था। इसके बाद उनके पिता आनंद कुमार को जिम्मेदारी सौंपी थी। हालांकि, आनंद कुमार ने नेशनल कोऑर्डिनेटर पद पर काम करने से इनकार कर दिया। इसके बाद मायावती ने उनसे जिम्मेदारी वापस ले ली है। बुधवार सुबह मायावती ने X पर 2 पोस्ट किए। इसमें लिखा- आनंद कुमार ने एक पद पर काम करने की इच्छा जाहिर की। इसलिए, वह पार्टी के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष पद पर बने रहेंगे। जबकि नेशनल कोऑर्डिनेटर के पद की जिम्मेदारी उनसे वापस ली जा रही है। इसके अलावा, मायावती ने पार्टी में कई बड़े फेरबदल का ऐलान किया है। सहारनपुर के रहने वाले रणधीर बेनीवाल को नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी सौंपी है। मायावती ने कहा- अब राज्यसभा सांसद रामजी गौतम और रणधीर बेनीवाल, दोनों पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर के रूप में मेरे निर्देशन में काम करेंगे। इससे पहले, आकाश के ससुर और फिर उन्हें पार्टी से निकाल दिया था। 2 दिन पहले ने मायावती ने अपने भतीजे आकाश आनंद को पार्टी से निकाल दिया था। कहा था- आकाश को पश्चाताप करके अपनी परिपक्वता दिखानी थी, लेकिन

आकाश ने जो प्रतिक्रिया दी, वह राजनीतिक मैच्योरिटी नहीं है। वो अपने ससुर के प्रभाव में स्वार्थी, अहंकारी हो गया है। इससे एक दिन पहले यानी 2 मार्च को बसपा सुप्रीमो ने आकाश को पार्टी के सभी पदों से हटाया था। कहा था- वे उनके उत्तराधिकारी नहीं हैं। मेरे जीते-जी और आखिरी सांस तक पार्टी में मेरा कोई उत्तराधिकारी नहीं होगा। मेरे लिए पार्टी और आंदोलन सबसे पहले हैं, परिवार और रिश्ते बाद में आते हैं। जब तक मैं जीवित रहूंगी, तब तक पूरी ईमानदारी से पार्टी को आगे बढ़ाती रहूंगी। आकाश को 15 महीने में 2 बार उत्तराधिकारी घोषित किया गया, लेकिन दोनों ही बार हटा दिया गया। उन्हें सबसे पहले 10 दिसंबर, 2023 को उत्तराधिकारी बनाया। 7 मई, 2024 को गलतबयानी की वजह से सभी जिम्मेदारियां छीन ली गईं।

23 जून, 2024 को आकाश को फिर से उत्तराधिकारी बनाया और नेशनल कोऑर्डिनेटर की जिम्मेदारी भी सौंपी। लेकिन 2 मार्च, 2025 को उनसे फिर सारी जिम्मेदारियां छीन लीं। 3 मार्च को उन्हें पार्टी से ही बाहर कर दिया गया।

हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर ने सुसाइड किया

हैदराबाद (एजेंसी)। हैदराबाद में महिला सॉफ्टवेयर इंजीनियर के सुसाइड का मामला सामने आया है। 25 साल की देविका ने 2 मार्च की रात रायदुर्गम के प्रशांति हिल्स स्थित अपने घर में सीलिंग फैन से फांसी लगाकर जान दे दी। घटना के बाद मृतक देविका की मां ने एफआईआर दर्ज करवाई। जिसमें कहा कि दामाद सतीश शादी के बाद से ही देविका को दहेज के लिए परेशान करता था। इससे तंग आकर उसने आत्महत्या कर ली। देविका और सतीश एक ही सॉफ्टवेयर कंपनी में काम करते थे। दोनों 2 साल से एक-दूसरे को जानते थे। अगस्त 2024 में दोनों की गोवा में शादी हुई थी। रात में टीवी रिमोट को लेकर लड़ाई हुई थी शुरुआती जांच के बाद एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि 2 मार्च की रात टीवी रिमोट को लेकर पति-पत्नी के बीच बहस हुई, जिसके बाद पति घर छोड़कर चला गया। अगली सुबह जब वह लौटा तो उसने अपनी पत्नी को मृत पाया। इसके बाद उसने ही पुलिस और परिवार को जानकारी दी कि उसकी पत्नी ने फांसी लगा ली है। रायदुर्गम पुलिस ने पति सतीश के खिलाफ दहेज उत्पीड़न के आरोप में मामला दर्ज कर लिया गया है। आगे की जांच जारी है। उस्मानिया अस्पताल में देविका के शव का पोस्टमार्टम हुआ है।

रोहित शर्मा ने वनडे में लगातार 11वीं बार बतौर कप्तान गंवाया टॉस

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय टीम दुबई में आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का पहला सेमीफाइनल खेल रही है। वहीं इस मुकाबले में भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने टॉस गंवा दिया। इस मैच में रोहित शर्मा ने सिक्का उछाला था, लेकिन उस सिक्के ने स्टीव स्मिथ का साथ दिया और भारत ने टॉस गंवा दिया। वहीं बता दें कि, इस मैच में स्टीव स्मिथ ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग का फैसला किया। सेमीफाइनल में टॉस गंवाते ही रोहित अब वनडे में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस हारने वाले कप्तानों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। रोहित शर्मा का बतौर कप्तान कम से कम टॉस के मामले में किस्मत लगातार खराब ही है। उन्होंने अब कप्तान के तौर पर वनडे में लगातार 11वीं बार टॉस गंवा दिया और इसके बाद वो वनडे में बतौर कप्तान सबसे ज्यादा टॉस गंवाने वाले कप्तानों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर आ गए। इसके साथ ही उन्होंने नीदरलैंड्स के पीटर बोरेन की बराबरी कर ली जिन्होंने मार्च 2011 से लेकर 2013 तक लगातार 11 बार टॉस गंवाया था। वहीं रोहित शर्मा नवंबर 2023 से लेकर मार्च 2025 के बीच 11 बार टॉस गंवा चुके हैं। इस लिस्ट में पहले नंबर पर ब्रायन लारा हैं जिन्होंने अक्टूबर 1998 से लेकर मई 1999 के बीच लगातार 12 बार टॉस गंवाया था।

चैंपियंस ट्रॉफी में न्यूजीलैंड का हाईएस्ट स्कोर

नई दिल्ली (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने चैंपियंस ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में साउथ अफ्रीका को 363 रन का टारगेट दिया। लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर बैटिंग चुनी और 6 विकेट पर 362 रन बना डाले। यह टूर्नामेंट इतिहास का सबसे बड़ा टोटल है। पिछला रिकॉर्ड ऑस्ट्रेलिया के नाम था, जिन्होंने इसी मैदान पर इंग्लैंड के खिलाफ 356 रन बनाए थे। साउथ अफ्रीका ने 15 ओवर के बाद एक विकेट पर 85 रन बना लिए हैं। कप्तान टेम्बा बावुमा और रासी वान डर डसन नाबाद हैं। दोनों फिफ्टी पार्टनरशिप कर चुके हैं। रायन रिकेल्टन (17 रन) को मैट हेनरी ने माइकल ब्रेसवेल के हाथों कैच कराया। रचिन रवींद्र (108 रन) और केन विलियम्सन (102 रन) ने शतकीय पारियां खेलीं, जबकि डेरिल मिचेल और ग्लेन फिलिप्स फिफ्टी बनाने से चूक गए। दोनों ने 49-49 रन बनाए। लुंगी एनगिडी ने 3 विकेट झटके। रबाडा को 2 विकेट मिले। वायन मुल्डर को एक विकेट मिला।

वहीं एक दिन पूर्व हुये पहले सेमीफाइनल भारत ने आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में अपने जीत के कारवां को जारी रखते हुए सेमीफाइनल में ऑस्ट्रेलिया जैसी मजबूत टीम को 4 विकेट से हराया है। इसके साथ ही भारत ने लगातार तीसरी बार फाइनल में जगह बनाई है। टीम इंडिया की जीत के स्टार मोहम्मद शमी

और विराट कोहली रहे, जिन्होंने अपने दमदार प्रदर्शन से ऑस्ट्रेलिया को रौंदने में अहम भूमिका निभाई। शमी ने जहां 3 विकेट चटकाए वहीं ऑस्ट्रेलिया को 264 रन पर रोका। वहीं कोहली ने 84 रन के दमदार पारी खेली और भारतीय टीम के लिए सफलतापूर्वक रन चेज किया। दुबई के इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में भारत ने 14 साल बाद किसी आईसीसी टूर्नामेंट के नॉकआउट मैच में ऑस्ट्रेलिया को हराया है। वर्ल्ड कप 2011 के क्वार्टर फाइनल में टीम इंडिया ने ऑस्ट्रेलिया को हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई थी और पिर खिताब भी जीता था। इस बार टीम इंडिया ने खिताब के और करीब आकर ऑस्ट्रेलिया को सेमीफाइनल में रौंदकर बाहर का रास्ता दिखाया है। वहीं भारत ने तीसरी बार चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में जगह बनाकर हैट्रिक भी कर ली है।

वहीं 265 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम को 30 के स्कोर पर पहला झटका लगा। गिल ने 11 गेंद में 8 रन बनाकर आउट हुए। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा 29 गेंद में 28 रन बनाकर पवेलियन लौट गए हैं। उन्होंने अपनी पारी में तीन चौके और एक छक्का लगाया।

श्रेयस अय्यर 62 गेंद में 45 रन बनाकर आउट हुए। अक्षर पटेल 30 गेंद में 27 रन बनाकर आउट हुए। स्टार बल्लेबाज विराट कोहली 98 गेंद में 84 रन बनाकर पवेलियन लौटे। हार्दिक पंड्या 24 गेंद में 28 रन बनाकर आउट हुए। केएल राहुल 34 गेंद में 42 रन बनाकर नाबाद लौटे। उन्होंने छक्का लगाकर भारत को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलियाई पारी की बात करें तो टीम की शुरुआत खराब रही। सलामी बल्लेबाज कूपर कोनोली बिना खाता खोले आउट हुए। उन्हें मोहम्मद शमी ने अपना शिकार बनाया। ट्रेविस हेड ने धीमी शुरुआत के बाद ताबड़तोड़ बड़े शॉट खेले जैसे ही वो भारत के लिए खतरनाक साबित हो रहे थे तो वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें शुभमन गिल के हाथों कैच आउट करा दिया।

शुभम गिल ने लपका ट्रेविस हेड का बेहतरीन कैच

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में टीम इंडिया के खिलाड़ी शुभमन गिल ने ट्रेविस हेड का बेहतरीन कैच लपका। लेकिन इसके बावजूद उन्हें अंपायर से चेतावनी मिली। ये वाक्या पहली पारी के 9वें ओवर की दूसरी गेंद पर हुई जब वरुण चक्रवर्ती की गेंद पर हेड पुल करने में चूक गए। उन्होंने गेंद को लॉग ऑफ की दिशा में मारा, लेकिन गिल ने बेहतरीन कैच पकड़ते हुए उनकी पारी का अंत कर दिया।

गिल ने आगे की तरफ दौड़ते हुए हेड का कैच आराम से पकड़ लिया और साफ तौर पर ये क्लीन कैच था, लेकिन अंपायर इस बात से पूरी तरह से संतुष्ट नहीं थे। क्योंकि गिल ने गेंद को पकड़ने के तुरंत बाद छोड़ दी थी। गिल के ऐसा करने के बाद अंपायर की तरफ से उन्हें चेतावनी दी। वैसे इस बात के लिए कोई समय सीमा तय नहीं है कि अगर फील्डर कैच पकड़ता है तो उसे कितनी देर तक गेंद को अपने पास रखना चाहिए। लेकिन मेरिलबोन क्रिकेट क्लब का नियम कहता है कि कैच पूरा होने से पहले खिलाड़ी का गेंद और अपनी गति पर पूर्ण नियंक्षण होना चाहिए। एमसीसी नियम के मुताबिक कैच की प्रक्रिया उस समय से शुरू होगी जब गेंद पहली बार फील्डर के संपर्क में आएगी और तब समाप्त होगी जब फील्डर गेंद और अपनी गति दोनों पर पूरा नियंत्रण हासिल कर लेगा। गिल ने जब कैच लेने के बाद गेंद को छोड़ा था तब वो लगभग दौड़ लगा ही रहे थे।

रोहित शर्मा ने अपने नाम किया ये महारिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया ने भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मैच में 264 रन बनाए थे। भारत को जीत के लिए 165 रन का टारगेट दिया।

इसके जवाब में टीम इंडिया की शुरुआत अच्छी नहीं रही और ओपनर शुभमन गिल 8 रन के स्कोर पर आउट हो गए तो वहीं टीम के कप्तान रोहित शर्मा लय में लग रहे थे और उन्हें दो-दो जीवनदान भी मिला लेकिन वो फायदा नहीं उठा पाए और 3 चौकों की मदद से 28 रन बनाकर आउट हो गए। लेकिन रोहित शर्मा ने इस दौरान एक महारिकॉर्ड अपने नाम किया। रोहित शर्मा को सेमीफाइनल मुकाबले में कूपर कोनोली ने एल्बीडब्ल्यू किया। हालांकि रोहित ने आउट होने के बाद रिव्यू भी लिया था, लेकिन थर्ड अंपायर उनके पक्ष में नहीं रहा। रोहित

ने इस मैच में अपनी पारी के दौरान एक शानदार छ्काक लगाया था और इस छक्के के दम पर उन्होंने एक महारिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। रोहित शर्मा ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एक छक्का दुबई में खेले गए सेमीफाइनल मैच में लगाया और वो अब आईसीसी वनडे इवेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। रोहित ने आईसीसी वनडे इवेंट में अब तक खेली 42 पारियों में कुल 65 छक्के लगाए हैं और वो क्रिस गेल से आगे निकल गए। क्रिस गेल ने अब तक 51 पारियों में कुल 64 छक्के लगाए थे और वो अब दूसरे नंबर पर खिसक गए हैं। आईसीसी वनडे इवेंट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर ग्लेन मैक्सवेल हैं जिन्होंने 30 पारियों में 49 छक्के लगाए थे जबकि डेविड मिलर ने 30 पारियों में 45 छक्के जड़े हैं। वहीं गांगुली ने 32 पारियों में 42 छक्के लगाए थे और वो डेविड वॉर्नर के साथ संयुक्त रूप से पांचवें नंबर पर हैं जिन्होंने 33 पारियों में 42 छक्के जड़े हैं।

विराट कोहली ने तोड़ा शिखर धवन का रिकॉर्ड

नई दिल्ली (एजेंसी)। टीम इंडिया के सलामी बल्लेबाज विराट कोहली ने इतिहास रच दिया है। दरअसल वह ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी 2025 सेमीफाइनल के दौरान चैंपियंस ट्रॉफी के इतिहास में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी बन गए। कोहली ने वनडे रन चेज में 8000 रन भी पूरे कर लिए हैं। उन्होंने 265 रन के चुनौतीपूर्ण लक्ष्य का पीछा करते हुए 21 रन बनाकर ये उपलब्धि हासिल की। 36 वर्षीय कोहली ने 301 मैचों के करियर में वनडे में दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 159वीं पारी में 8000 रन का आंकड़ा हुआ। कोहली वनडे इतिहास में 8000 रन बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज हैं। इससे पहले सचिन तेंदुलकर 232 पारियों में 8720 रन बनाकर इस सूची में सबसे आगे हैं। भारत के कप्तान रोहित शर्मा टॉप तीन में शामिल हैं। वनडे के चेज मास्टर कोहली को लक्ष्य का पीछा करना बहुत पंसद है। उन्होंने इस फॉर्मेट में अपने 51शतकों में से 28 शतक दूसरे नंबर पर बल्लेबाजी करते हुए बनाए हैं। लक्ष्य का पीछा करते हुए कोहली शतक बनाने के मामले में दुनिया में नंबर-1 बल्लेबाज हैं, जो तेंदुलकर के 17 शतकों और रोहित के 16 शतकों से काफी ज्यादा हैं। कोहली के 70 प्रतिशत से ज्यादा रन जीत में आए हैं, जो इस फॉर्मेट में किसी भी बल्लेबाज द्वारा सबसे ज्यादा है। कोहली ने 2013 में जयपुर में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारत के सबसे सफल रनचेज के दौरान 52 गेंदों में अपना सबसे तेज वनडे शतक बनाया था।

वरुण चक्रवर्ती की फिरकी में फंसे ट्रेविस हेड

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत के खिलाफ सेमीफाइनल मुकाबले में ऑस्ट्रेलिया के खतरनाक ओपनर बल्लेबाज ट्रेविस हेड की शुरुआत धीमी रही, लेकिन फिर उन्होंने रफ्तार पकड़ी और टीम इंडिया के गेंदबाजों पर शॉट लगाते हुए नजर आ रहे थे। ऐसा लग रहा था कि हेड कुछ बड़ा कर सकते हैं लेकिन वरुण चक्रवर्ती ने उनकी बल्लेबाजी पर लगाम लगा दिया और उन्हें शुभमन गिल के हाथों कैच आउट करवा दिया। भारत के खिलाफ हेड खतरनाक साबित हो रहे थे और उन्होंने 33 गेंदों पर 2 छक्के और 5 चौकों की मदद से 39 रन बना लिए थे। ऐसा लग रहा था कि वो बड़ी पारी खेलने में कामयाब हो पाएंगे, लेकिन वरुण चक्रवर्ती ने उन्हें छक्का दिया और हेड को शुभमन गिल के हाथों कैच आउट करवा दिया।

कप्तान रोहित शर्मा, वरुण को पहली पारी के 9वें ओवर में अटैक पर लागए और उन्होंने इस ओवर की दूसरी ही गेंद पर हेड का काम तमाम कर दिया और टीम इंडिया को बड़ी राहत पहुंचाई। हेड अपना अर्धशतक भी इस मैच में पूरा नहीं कर पाए तो वहीं वरुण ने वनडे प्रारुप में उन्हें पहली बार आउट किया।

चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला देखने पाकिस्तान जाएंगे बीसीसीआई के अधिकारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का दूसरा सेमीफाइनल मुकाबला बुधवार, 5 मार्च को लाहौर में न्यूजीलैंड और साउथ अफ्रीका के बीच खेला जाएगा। इस मैच को देखने के लिए बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला पाकिस्तान जाएंगे। राजीव शुक्ला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में मैच के दौरान मौजूद रहेंगे। बता दें कि, इंडिया टुडे के अनुसार, राजीव शुक्ला दो दिन तक पाकिस्तान में रहेंगे और 6 मार्च को भारत लौटेंगे।

राजीव शुक्ला एशिया कप 2023 के लिए भी पाकिस्तान गए थे जब इस टूर्नामेंट को हाइब्रिड मॉडल में आयोजित किया गया था और उनके साथ बीसीसीआई के अध्यक्ष रोजर बिन्नी भी थे। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी टीम इंडिया ने सुरक्षा कारणों का हवाला देते हुए पाकिस्तान जाने से इनकार कर दिया था। पाकिस्तान शुरू में भारत के मैच को किसी तटस्थ वेन्यू पर आयोजित करने के लिए सहमत नहीं था, लेकिन बाद में कुछ शर्तों के साथ पीसीबी ने इसकी अनुमति दे दी थी।

भारत के पाकिस्तान नहीं जाने के एवज में पीसीबी ने भी पाकिस्तान को भारत नहीं भेजने की बात कही थी जिसे आईसीसी ने मान लिया था और पाकिस्तान की टीम 2028 तक भारत में आयोजित होने वाले किसी भी आईसीसी टूर्नामेंट में हिस्सा नहीं लेगी।

मोहम्मद शमी ने सेमीफाइनल में झटके 3 विकेट

नई दिल्ली (एजेंसी)। आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के पहले सेमीफाइनल में भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच दुबई में टक्कर हो रही है। इस मुकाबले में भारत के अनुभवी गेंदबाज मोहम्मद शमी ने काफी अच्छी गेंदबाजी की और 10 ओवर में 48 रन देकर 3 विकेट हासिल किए। इन 3 विकेट के दम पर शमी ने कई रिकॉर्ड अपने नाम किए और वसीम अकरम, मिचेल स्टार्क व हरभजन सिंह के इस रिकॉर्ड को तोड़ दिया। इस मैच में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 49.3 ओवर में 264 रन बनाए।

आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने के मामले में शमी अब छठे नंबर पर आ गए और वसीम अकरम से आगे निकल गए। अकरम ने आईसीसी वनडे टूर्नामेंट में 62 विकेट लिए थे, लेकिन शमी के नाम पर अब 63 विकेट हो गए। इस लिस्ट में 92 विकेट लेकर ग्लेन मैक्ग्रा टॉप पर बने हुए हैं। वहीं आईसीसी नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों की लिस्ट में शमी अब तीसरे नंबर पर आ गए। शमी ने अब तक 10 पारियों में 21 विकेट लिए हैं। जबकि उन्होंने स्टार्क को पछाड़ दिया है। जिन्होंने 11 पारियों में 20 विकेट झटके थे। इस लिस्ट में 15 पारियों में 23 विकेट लेकर छोड़ दिया जिन्होंने 11 पारियों में 20 विकेट झटके। इस लिस्ट में 15 पारियों में 23 विकेट लेकर मुरलीधरन पहले नंबर पर हैं। इसके अलावा अब आईसीसी वनडे नॉकआउट मैचों में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले भारतीय गेंदबाजों की लिस्ट में तीसरे नंबर पर आ गए और हरभजन सिंह को पछाड़ दिया है। शमी ने अब तक आईसीसी वनडे नॉकआउट मैचों की 5 पारियों में 13 विकेट झटके हैं। जबकि भज्जी ने 8 पारियों में 11 विकेट लिए थे। वहीं इस लिस्ट में जहीर खान 11 पारियों में 17 विकेट के साथ टॉप पर हैं।

न्यूजीलैंड के खिलाफ वनडे और टी20 सीरीज के लिए पाकिस्तान टीम में हुआ बड़ा बदलाव, बाबर-रिजवान की छुट्टी

नई दिल्ली (एजेंसी)। पाकिस्तान की आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में जो हालात रहे उसकी कहानी सभी को पता है। अपनी मेजबानी में खेले जा रहे इस टूर्नामेंट से पाकिस्तान महज पांच दिनों में ही बाहर हो गया, जिसके बाद टीम में अब बड़े बदलाव हो गए हैं। दरअसल, न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी वनडे और टी20 सीरीज के लिए टीम का ऐलान हुआ है। इसमें वनडे सीरीज में तो मोहम्मद रिजवान और बाबर आजम को मौका मिला है लेकिन टी20 सीरीज से दोनों खिलाड़ियों को बाहर किया गया है। मौजूदा समय में खेली जा रही आईसीसी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में पाकिस्तान मेजबान देश है लेकिन टीम का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। पाकिस्तान टीम को पहले न्यूजीलैंड और फिर भारत के खिलाफ करारी हार झेलनी पड़ी। इस शर्मनाक हार के बाद पाकिस्तान टीम को टी20 फॉर्मेट के लिए नया

कप्तान मिला है। न्यूजीलैंड के खिलाफ होने वाली पांच मैचों की सीरीज के लिए मोहम्मद रिजवान की जगह सलमान आगा को टीम की कमान सौंपी गई है। वहीं शादाब खान की वापसी के साथ उन्हें उपकप्तान बनाया गया है। रिजवान और बाबर और शाहीन अफरीदी को टी20 टीम में जगह तक नहीं दी गई है। टी20 सीरीज के लिए पाकिस्ता ने युवा खिलाड़ियों पर दांव खेला है। नसीम शाह को भी टी20 टीम में मोका नहीं दिया गया है। जबकि हैरिस रऊफ को दोनों ही टीमों में जगह नहीं मिली है।

हालांकि, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में टीम के शर्मनाक प्रदर्शन के बावजूद वनडे फॉर्मेट में रिजवान पर सिलेक्टर्स ने बतौर कप्तान अपना भरोसा कायम रखा है। सलमान आगा को उपकप्तान की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वनडे टीम में मोहम्मद वसीम जूनियर, मोहम्मद इरफान खान को जगह दी गई है। सूफियान मुकीम और तैयाब ताहिर भी वनडे टीम में अपनी जगह बनाने में सफल रहे हैं। पीसीबी ने बताया कि इंजरी के चलते फखर जमां और सैम अयूब सिलेक्शन के लिए उपलब्ध नहीं हैं।

पाकिस्तान टीम दौरे का आगाज पांच मैचों की टी20 सीरीज से करेगी। सीरीज का पहला मुकाबला 16 मार्च, तो दूसरा मुकाबला 18 मार्च को खेला जाएगा। तीसरी मुकाबला 21 मार्च को ऑकलैंड और चौथा मैच 23 मार्च को खेला जाना है। सीरीज का आखिरी मुकाबला 26 मार्च को खेला जाएगा। वनडे सीरीज की शुरुआत 29 मार्च से होगी जबकि आखिरी मुकाबला 5 अप्रैल को खेला जाना है।

मंत्री प्रहलाद पटेल के बयान पर रीवा पहुंचे कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने साधा निशाना

'सत्ता के अहंकार में मोटे हो रहे भाजपाइयों को अब जनता जनार्दन लगने लगी है भिखारी'

भाजपा सरकार के खिलाफ 5 मार्च से 15 मार्च तक होंगे ब्लाक, जिला और प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी के निर्देश पर बुधवार को पूरे प्रदेश में पत्रकार वार्ता के माध्यम से प्रदेश की भाजपा सरकार के पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल द्वारा जनता को भिखारी बताये जाने की ओछी मानसिकता, घृणात्मक-निकृष्ट सोच और भाजपा सरकार की महिला, किसान, युवा और जनविरोधी नीतियों के विरोध में मीडिया के समक्ष जनता की आवाज को बुंदल करने का निर्णय कांग्रेस पार्टी द्वारा लिया गया है।

इसी तारतम्य में बुधवार को रीवा कांग्रेस कार्यालय में भी पत्रकार वार्ता आयोजित की गई है। जिसमें कांग्रेस पार्टी के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अरुण यादव ने प्रदेश की भाजपा सरकार द्वारा प्रदेश की जनता को भिखारी कहें जाने पर सवाल उठाते हुए उसके मुखिया और मंत्रियों पर निशाना साधा है।

उन्होंने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार ने 20 वर्षो में प्रदेश को बदहाली असुरक्षा और अपमान के गर्त में धकेल दिया है। अब तो हालत यह हो गए है कि जनता को भगवान बताकर वोटे बटोरने वाली भाजपा सरकार अब महिलाओं, बुजुर्गों, किसानों, युवाओं, विद्यार्थियों और दिव्यांगजनों को भिखारी बता रही है।

जब प्रदेश की 1 करोड़ 29 लाख बहनों ने अपनी मेहनत की कमाई पर अधिकार मांगा, तो सरकार में बैठे पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रह्लाद पटेल और उनकी पार्टी ने उन्हें भिखमंगा कहकर अपमानित किया। क्या महिलाओं को उनके अधिकार मांगने पर अपमानित किया जाएगा।

मुख्यमंत्री मोहन यादव और मंत्री प्रहलाद पटेल बताये कि भाजपा सरकार ने यदि प्रदेश को विकसित बना दिया होता तो टोकना भर-भर कर आवेदन लेकर जतना उनके सामने अपना हक और अधिकार मांगने के लिए क्यों जाती।

भाजपा राज में जनता की बदहाली की भयानक तस्वीर प्रदेश में सामने आयी है। महिलाओं का अपमान कर उनका अधिकार छीनने की साजिश की जा रही है। सत्ता पाने के लिए लाड़ली बहना योजना के तहत 3000 रूपये देने का वादा करने वाली भाजपा ने लालच देकर उन्हें पहले 1000 रूपये दिये, 1,250 रुपये. दिए, और अब धीरे धीरे योजना से अपात्र बताकर महिलाओं को वंचित किया जा रहा है। उनका भविष्य अंधकार में डुबोया जा रहा है। महंगाई और बेरोजगारी के कारण महिलाएं आत्मनिर्भर बनने के लिए संघर्ष कर रही हैं, लेकिन भाजपा सरकार उन्हें 'भिखारी' बताकर उनका मनोबल तोड़ने में लगी है।

वहीं कांग्रेस नेता अरूण यादव ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं बर्बादी की कगार पर हैं, अस्पतालों में न तो डॉक्टर हैं और न दवाएं तक उपलब्ध हैं। मरीजों को इलाज नहीं मिलने के कारण वह परेशान होकर दम तोड़ रहे हैं। इलाज के लिए दर-दर भटक रहे हैं। इतना ही नहीं अस्पतालों में दवाओं की भारी कमी के चलते मरीजों को निजी अस्पतालों में महंगे इलाज के लिए मजबूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि 18 साल की शिवराज सरकार और अब मोहन यादव की सरकार में स्वास्थ्य सेवाएं बद से बदतर हैं। गरीब जनता इलाज के लिए दर-दर भटक रही है, लेकिन जब सरकार से जनता अपनी परेशानियों के लिए आवेदन देती है तो बीजेपी के नेता जनता को भिखारी कहते हुये उनका अपमान कर रही है। यह वहीं भाजपा है जो वोट के लिए नतमस्तक होती है और सत्ता आने पर जनता को भिखारी बताती है। भाजपा सत्ता के अहंकार में इतनी मोटी हो गई है कि जनता उन्हें भिखारी लगने लगी है।

इसके साथ ही प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था भी पूरी तरह से ध्वस्त है। बीते चार साल से छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली। सरकारी स्कूलों और कॉलेजों में शिक्षकों की भारी कमी के चलते छात्रों का भविष्य अंधकारमय है। छात्रों से भारी रकम वसूली जा रही है, लेकिन उन्हें सुविधाएं नहीं मिल रही है। लाखों छात्रों को छात्रवृत्ति नहीं मिली, जिससे गरीब और जरूरतमंद छात्र उच्च शिक्षा से वंचित हो रहे हैं। तो क्या शिक्षा प्राप्त करना अब भीख मांगना हो गया।

उन्होंने कहा कि सरकार ने किसानों के लिए कोई राहत नहीं दी, किसान खाद-बीज के लिए भटक रहे किसान, किसानों को खाद और बीज तक नहीं मिल रहा है। कर्ज के बोझ तले दबे किसान आत्महत्या तक करने को मजबूर हैं। भीख मांगना कहलाएगा? भाजपा ने किसानों क्या अन्नदाताओं को उनका हक मांगना 2700 के गेहूं, 3100 धान, 6000 सोयाबीन के देने के जो वादे किये थे उनका हक मांगना क्या है भीख मांगना कहलाता है

सरकार के खिलाफ कांग्रेस करेगी बड़ा आंदोलन

कांग्रेस नेता अरूण यादव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी बीजेपी सरकार के इस अपमान को बर्दाश्त नहीं करेगी। जनता के हक और अधिकारों के लिए कांग्रेस पार्टी निणार्यक लड़ाई लड़ेगी। इसी कड़ी में कांग्रेस पार्टी द्वारा 6 मार्च 2025 को ब्लाक स्तर पर मप्र शासन के मंत्री प्रहलाद पटेल का पुतला दहन किया जायेगा, जिसमें ब्लाक कांग्रेस अध्यक्षों सहित ब्लाक, मण्डलम एवं सेक्टर के पदाधिकारीगण और कार्यकर्ता शामिल रहेंगे। वहीं 8 मार्च को कांग्रेस के जिला प्रभारी-सहप्रभारी, विधायक, विधानसभा प्रत्याशियों एवं कांग्रेसजनों की मौजूदगी में जिला मुख्यालयों पर धरना एवं कलेक्टर को ज्ञापन सौंपकर मंत्री प्रहलाद पटेल से इस्तीफे की मांग की जायेगी। आगामी 10 मार्च को मप्र कांग्रेस के प्रभारी श्री हरीश चौधरी, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष श्री जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष श्री उमंग सिंघार, उपनेता प्रतिपक्ष श्री हेमंत कटारे सहित वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं की मौजूदगी में मप्र किसान कांग्रेस द्वारा राजधानी भोपाल में प्रदेश स्तरीय प्रदर्शन आयोजित किया गया है। वहीं 11 से 15 मार्च तक कांग्रेस के मोर्चा संगठन/विभागों के अध्यक्षगणों द्वारा मप्र शासन के विभागीय मंत्रियों से विभाग संबंधी मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा जायेगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश के सभी जिलों के जिला मुख्यालयों पर कांग्रेस पार्टी भाजपा सरकार के खिलाफ जंगी प्रदर्शन कर मुख्यमंत्री और पंचायत एवं ग्रामीण विकास मंत्री प्रहलाद पटेल के इस्तीफे की मांग करेगी। तथा यह भी मांग करेगी कि मुख्यमंत्री और मंत्री प्रहलाद पटेल प्रदेश की जनता से सार्वजनिक माफी मांगे अन्यथा जनता के विरोध में लिए तैयार रहें। महिलाओं, गरीबों, किसानों, छात्रों और बुजुर्गों को उनका हक नहीं मिला तो कांग्रेस सड़क से सदन तक आंदोलन करने के लिए बाध्य होगी।

हैण्डपंप सुधार के लिए 25 हैण्डपंप तकनीशियन तैनात

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लोक स्वास्थ्य अभियांत्रिकी विभाग द्वारा पेयजल की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए बिगड़े हैण्डपंपों के सुधार का अभियान चलाया जा रहा है। इस संबंध में सहायक यंत्री पीएचई ने बताया कि हैण्डपंप सुधार के लिए 25 प्रमुख स्थानों पर हैण्डपंप तकनीशियन तैनात किए गए हैं। इन्हें औसतन 8 से 10 पंचायतों में खराब हैण्डपंपों के सुधार की जिम्मेदारी दी गई है। इन तकनीशियनों को आउटसोर्स संविदाकार आशीष कुमार मिश्रा आवश्यक उपकरण, वाहन तथा सहयोगी श्रमिक उपलब्ध कराएंगे। हैण्डपंप तकनीशियन धीरेन्द्र पटेल को संसारपुर तथा बसिगवां, गुरू प्रसाद शर्मा को बुड़वा तथा धवैया, अनिल कुमार त्रिपाठी को क्योटी और देवास, रामभजन कोरी को लालगांव तथा सरई में तैनात किया गया है। जारी आदेश के अनुसार अश्वनी कुमार पटेल को लौरी नम्बर दो तथा बड़ियार, विकास कुमार शुक्ला को शिवराजपुर तथा रजहा, देवेन्द्र कुमार पटेल को सूरा तथा महमूदपुर, वीरेन्द्र कुमार पटेल को बेलवा पैकान तथा कदैला एवं अमित कुमार प्रिंजे को नौआ तथा माद में तैनात किया गया है। समर बहादुर को गंगेव तथा ऊंचाटोला, बृजेन्द्र सिंह को तेंदुआ कोठार तथा बसीरी नम्बर दो में तैनात किया गया है। नंदलाल सिंह को टिकुरी नम्बर 37 में तैनात किया गया है। इनके अलावा अतरैला, गोदरी 27, पडुआ तथा विकासखण्ड स्तर पर उपयंत्री हैण्डपंप मेकेनिक के साथ तैनात रहेंगे। तैनात उपयंत्री तथा हैण्डपंप तकनीशियनों को बिगड़े हैण्डपंपों को सुधारकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने एवं हैण्डपंप सुधार से संबंधित सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों का निराकरण कराने के निर्देश दिए हैं।

आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए विशेष अभियान 12 मार्च तक

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। आयुष्मान भारत योजना के तहत 70 वर्ष से अधिक आयु के सभी व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। रीवा जिले में निर्धारित लक्ष्य के अनुसार वर्तमान में 77033 व्यक्ति आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए शेष हैं। इनका आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए जिले भर में विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

विशेष अभियान 12 मार्च तक चलेगा। इस संबंध में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने कहा कि शेष बचे पात्र व्यक्तियों के कार्ड बनाने के लिए शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में शिविर लगाए जा रहे हैं। अभियान की अवधि में ग्राम रोजगार सहायक, आशा कार्यकर्ता, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता तथा सीएचओ ग्राम पंचायत भवन में बैठकर पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाए जा रहे हैं। शेष व्यक्ति यदि किसी कारणवश ग्राम पंचायत भवन आने में असमर्थ हैं तो घर-घर जाकर उनके कार्ड बनाए जाएंगे। जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी तथा बीएमओ मिलकर अभियान के दौरान शत-प्रतिशत पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनवाएं। अनुसार नगर निगम तथा सभी मुख्य नगरपालिका अधिकारी शहरी क्षेत्रों के शेष बचे व्यक्तियों के भी आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए वार्डवार शिविर लगाएं।

नेशनल लोक अदालत में 8 मार्च को 50 खण्डपीठों में होगी प्रकरणों की सुनवाई

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के निर्देशानुसार एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश के मार्गदर्शन में 8 मार्च को नेशनल लोक अदालत का आयोजन किया जा रहा है। इसमें आपसी सुलह से प्रकरणों का निराकरण किया जायेगा। प्रकरणों की सुनवाई के लिए 50 खण्डपीठें गठित की गयी हैं। इनमें पीठासीन अधिकारी तथा सहयोग देने के लिए सुलहकर्ता सदस्य तैनात किये गये हैं। जिला न्यायालय परिसर रीवा के साथ-साथ तहसील न्यायालय सिरमौर, त्योंथर, मनगवां, मऊगंज एवं हनुमना में भी लोक अदालतों का आयोजन किया जा रहा है। जिला न्यायालय में 30 खण्डपीठ, तहसील विधिक सेवा समिति मऊगंज में 7 खण्डपीठ, सिरमौर में 6 खण्डपीठ, त्योंथर में 4, मनगवां में एक खण्डपीठ एवं तहसील विधिक सेवा समिति हनुमना में 2 खण्डपीठ गठित की गयी हैं। लोक अदालत के दीवानी, फौजदारी, पारिवारिक विवाद, मोटर दुर्घटना क्षतिपूर्ति (क्लेम), 138 चेक बाउंस, विद्युत, श्रम, भू-अर्जन, नगर पालिका निगम, प्री लिटिगेशन प्रकरण निराकरण के लिए रखे जायेंगे।

नेशनल लोक अदालत में प्रकरणों के निराकरण के लिए खण्डपीठ क्रमांक एक में जिला न्यायाधीश सुधीर सिंह राठौड़, खण्डपीठ क्रमांक 2 में जिला न्यायाधीश संदीप वास्तव, खण्डपीठ क्रमांक 3 में जिला न्यायाधीश रमेश रंजन चौबे, खण्डपीठ क्रमांक 4 में न्यायाधीश देवेन्द्र सिंह पाल, खण्डपीठ क्रमांक 5 में न्यायाधीश केशव सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 6 में न्यायाधीश आनंद गौतम तथा खण्डपीठ क्रमांक 7 में न्यायाधीश प्रवीण पटेल को तैनात किया गया है। इसी तरह खण्डपीठ क्रमांक 8 में न्यायाधीश पदमा जाटव, खण्डपीठ क्रमांक 9 में न्यायाधीश दिलीप सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 10 में न्यायाधीश आशीर्वाद भिलाला, खण्डपीठ क्रमांक 11 में न्यायाधीश शशांक खरे, खण्डपीठ क्रमांक 12 में न्यायाधीश यशपाल सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 13 में न्यायाधीश संतोष कुमार तिवारी, खण्डपीठ क्रमांक 14 में न्यायाधीश प्रतिशिखा अग्निहोत्री, खण्डपीठ क्रमांक 15 में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अरूण सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 16 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश पन्ना नागेश प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

इसी प्रकार खण्डपीठ 17 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश अश्विनी सिंह, खण्डपीठ क्रमांक 18 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश अक्षत तयाल, खण्डपीठ क्रमांक 19 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश ललित कुमार मईड़ा, खण्डपीठ क्रमांक 20 में वरिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सु अंजली अग्रवाल, खण्डपीठ क्रमांक 21 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश अमित सिंह धुर्वे, खण्डपीठ क्रमांक 22 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सु अदिति अग्रवाल, खण्डपीठ क्रमांक 23 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सु स्वाती रघुवंशी, खण्डपीठ क्रमांक 24 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश दिलीप माहोर, खण्डपीठ क्रमांक 25 में कनिष्ठ खण्ड न्यायाधीश सु कंचन सैनिक, खण्डपीठ क्रमांक 26 में प्रथम व्यवहार न्यायाधीश कनिष्ठ खण्ड रंजीत भड़करिया, खण्डपीठ क्रमांक 27 में प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय शिवकांत, खण्डपीठ क्रमांक 28 मे अध्यक्ष जिला उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण फोरम सुदीप कुमार वास्तव, खण्डपीठ क्रमांक 29 में औद्योगिक न्यायालय में न्यायाधीश केके मिश्रा तथा खण्डपीठ क्रमांक 30 में श्रम न्यायालय में न्यायाधीश अमित नगायच प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

मऊगंज न्यायालय परिसर में खण्डपीठ क्रमांक 31 में न्यायाधीश संजीव कटारे, खण्डपीठ क्रमांक 32 में न्यायाधीश हीरालाल अलावा, खण्डपीठ क्रमांक 33 में न्यायाधीश साजिद मोहम्मद, खण्डपीठ क्रमांक 34 में न्यायाधीश आनंद बागरी, खण्डपीठ क्रमांक 35 मे न्यायाधीश गीता उइके, खण्डपीठ क्रमांक 36 में न्यायाधीश सु ओशी जैन, खण्डपीठ क्रमांक 37 में न्यायाधीश युवराज दीक्षित प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

तहसील न्यायालय परिसर सिरमौर में खण्डपीठ क्रमांक 38 में न्यायाधीश संतोष चौहान, खण्डपीठ क्रमांक 39 में न्यायाधीश संजय वर्मा, खण्डपीठ क्रमांक 40 में न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा रहमान, खण्डपीठ क्रमांक 41 में न्यायिक मजिस्ट्रेट अल्तमश रहमान, खण्डपीठ क्रमांक 42 में न्यायिक मजिस्ट्रेट भारती केशरी कश्यप, खण्डपीठ क्रमांक 43 में न्यायाधीश अमित कुमार शर्मा प्रकरणों की सुनवाई करेंगे। तहसील न्यायालय परिसर त्योंथर में खण्डपीठ क्रमांक 44 में जिला एवं अपर सत्र न्यायाधीश दयाराम कुमरे, खण्डपीठ क्रमांक 45 में न्यायाधीश कमलेश मीणा, खण्डपीठ क्रमांक 46 में व्यवहार न्यायाधीश मोहनी भदौरिया, खण्डपीठ क्रमांक 47 में व्यवहार न्यायाधीश आशुतोष प्रताप सिंह प्रकरणों की सुनवाई करेंगे।

प्रसूता की मौत का मामला थाने पहुंचा

बीमा अप्रूवल लेट मिलने पर रेफर ना करने का आरोप

प्रार्थना अस्पताल की लापरवाही से महिला की मौत की शिकायत

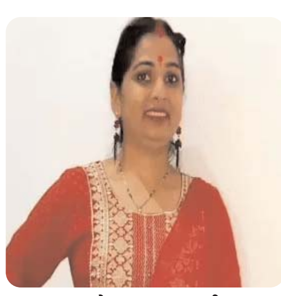

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। लगातार प्रसूताओं के गलत इलाज और इलाज में लापरवाही बरते जाने के मामले सामने आ रहे हैं। इस बीच बीमा क्लेम के पैसे और अप्रूवल चार घंटे बाद आने की वजह से अस्पताल पर महिला को रेफर ना करने का आरोप है। जिसकी वजह से महिला की जान चली गई।

रीवा के निजी अस्पताल को प्रसूता की मौत का कारण बताकर एक अधिवक्ता ने थाने में शिकायत की है। पुलिस ने पूरे मामले में संज्ञान लेते हुए जांच शुरू की है। थाना प्रभारी के मुताबिक प्रार्थना अस्पताल के लापरवाही से मौत की शिकायत मिली है। पहले भी अस्पताल से ऐसे मामले सामने आए हैं। मामले को पूरी गंभीरता से जांच में लिया गया है।

मरीज के परिजन अधिवक्ता अनिल सिंह ने बताया कि मैंने अपनी बहू को प्रार्थना अस्पताल में डिलीवरी के पहले दिखाया था। जहां डॉक्टर ने उसकी हालत और सभी जांच रिपोर्ट सामान्य बताई। 4 फरवरी को हम उसे फिर अस्पताल में रूटीन चेकअप के लिए लेकर गए। जहां बहू अंजली को डॉक्टर सोनल ने अस्पताल में भर्ती कर लिया। उस समय उसमें 13 प्रतिशत हीमोग्लोबिन था।

उन्होंने कहा कि पानी की कमी है इसलिए डिलीवरी आज ही करवानी पड़ेगी। जबकि बहू पूरी तरह से स्वस्थ थी। उसकी सामान्य डिलीवरी भी करवाई जा सकती थी। रात 9 बजे तक उसकी हालत बिल्कुल सामान्य थी। पर रात साढ़े 9 बजे के बाद कुछ ऐसी दवाई दी गई की उसकी हालत खराब हो गई। तुरंत नर्स ने उसे प्राइवेट रूम से ऑपरेशन थिएटर में भर्ती कर दिया। उसके बाद हम लोगों को बहू से मिलने नहीं दिया गया। रात साढ़े 11 बजे कहा गया कि ऑपरेशन से बच्चे पैदा हुई है। ये भी बताया गया कि जच्चा बच्चा दोनों स्वस्थ हैं।

अचानक थोड़ी देर बाद हालत अति गंभीर बता दी और 10 यूनिट ब्लड चढ़ाने का कहने लगे। बच्चे के चांस भी कम बताने लगे। इसके साथ ही उसकी बच्चेदानी भी निकाल दी। धोखे से किसी से साइन कराया और जानकारी भी नहीं दी। हमने कहा कि अगर आपके बस का नहीं तो कम से कम रेफर तो कर दो। कुछ ही घंटे में आपको हेल्थ बीमा क्लेम से इलाज के पूरे पैसे मिल जाएंगे।

इस दौरान 1 लाख 9 हजार 750 रुपए का बिल बनाया गया था। पर बीमा कंपनी से अप्रूवल आने में 4 घंटे का समय लगा। तब तक हमें उसे देखने तक नहीं दिया गया। हमने कहा कि एक बार उसे करीब से देख तो लेने दो। फिर जब बीमा का पैसा मिला तब रेफर किया। लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी।

कलेक्टर प्रतिभा पाल ने राजस्व कार्यों की समीक्षा की

अधिकारियों को छह माह से अधिक लंबित सभी प्रकरणों का निराकरण करने के निर्देश

फार्मर रजिस्ट्री 31 मार्च तक शत-प्रतिशत पूरा करें - कलेक्टर

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। कलेक्ट्रेट के मोहन सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर प्रतिभा पाल ने राजस्व कार्यों की समीक्षा की। बैठक में नामांतरण, बंटवारा, सीमांकन, राजस्व वसूली, स्वामित्व योजना तथा सीएम हेल्पलाइन प्रकरणों की तहसीलवार समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि धारणाधिकार योजना में जारी पट्टों में 15 दिन की समय सीमा में प्रीमियम राशि जमा कराएं। प्रीमियम राशि समय सीमा में जमा न करने पर पट्टे निरस्त करने तथा शासकीय भूमि पर अतिक्रमण का प्रकरण दर्ज करने की कार्यवाही करें। सभी पीठासीन अधिकारी राजस्व प्रकरणों की नियमित सुनवाई करके 6 माह से अधिक समय से लंबित सभी प्रकरण निराकृत करें। लोक सेवा गारंटी के तहत यदि कोई प्रकरण समय सीमा से बाहर है तो संबंधित राजस्व अधिकारी पर जुर्माने की कार्यवाही करें। फार्मर रजिस्ट्री के लगभग एक लाख हितग्राही शेष हैं। विशेष प्रयास करके 31 मार्च तक फार्मर रजिस्ट्री का लक्ष्य शत-प्रतिशत पूरा करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम अपील प्रकरणों की सुनवाई तथा नक्शा तरमीम के प्रकरणों के निराकरण पर विशेष ध्यान दें। सीएम हेल्पलाइन के लंबित प्रकरणों की हर सप्ताह समीक्षा करें। लंबित प्रकरणों के संबंध में समय पर प्रतिवेदन न देने वाले पटवारियों के विरूद्ध कार्यवाही करें। सीएम हेल्पलाइन में 50 दिन से अधिक समय से लंबित प्रकरणों को सात दिवस में अनिवार्य रूप से निराकृत करें। शासन के निर्देशों के अनुसार वक्फ सम्पत्तियों का सत्यापन करने के बाद निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार ऑनलाइन पोर्टल पर जानकारी दर्ज कराएं। सभी एसडीएम भू अर्जन के लंबित प्रकरणों पर त्वरता से कार्यवाही करके मुआवजा राशि का वितरण करें। भू अर्जन के बाद खसरे में संबंधित विभाग का नाम दर्ज कराएं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि के शेष बचे किसानों की ई केवाईसी कराएं। जमीन के डायवर्सन की लंबित राशि तथा भू राजस्व की वसूली 15 दिवस में शत-प्रतिशत करें। बैठक में कलेक्टर ने कहा कि सभी एसडीएम और तहसीलदार क्षेत्र में भ्रमण के दौरान उचित मूल्य दुकानों का निरीक्षण अनिवार्य रूप से करें। जिले में 15 मार्च से समर्थन मूल्य पर गेंहू का उपार्जन शुरू हो रहा है। उपार्जन के लिए पंजीकृत सभी किसानों का गिरदावरी के अनुसार पंजीकृत रकबे का सत्यापन करें। कलेक्टर ने कहा कि 70 वर्ष से अधिक आयु के शेष बचे व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के लिए प्रत्येक ग्राम पंचायत में 12 मार्च तक शिविर लगाए जा रहे हैं। सभी छूटे हुए व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाना सुनिश्चित करें। इसके लिए ग्राम रोजगार सहायक, ग्राम पंचायत सचिव, आशा कार्यकर्ता एवं आंगनवाड़ी कार्यकर्ता का पूरा सहयोग लें। बैठक में अपर कलेक्टर सपना त्रिपाठी, सभी एसडीएम, संयुक्त कलेक्टर पीके पाण्डेय, संयुक्त कलेक्टर श्रेयस गोखले, सहायक कलेक्टर आर प्रपंज, जिला प्रबंधक ई गवर्नेंस सेवा रविकांत पाण्डेय, तहसीलदार, नायब तहसीलदार तथा अधीक्षक भू अभिलेख एवं अन्य संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

बजट के संबंध में आयोजित की गई वेबिनार

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अग्रणी बैंक द्वारा संचालित ग्रामीण प्रशिक्षण संस्थान आरसेटी में गत दिवस बजट के संबंध में वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में जिले भर के किसानों तथा बैंक अधिकारियों ने शामिल होकर केन्द्रीय बजट के प्रमुख प्रावधानों के संबंध में चर्चा की। वेबिनार में आर्थिक विशेषज्ञों द्वारा बजट के प्रमुख प्रावधानों तथा अर्थव्यवस्था पर बजट के सकारात्मक प्रभावों की विस्तार से जानकारी दी। वेबिनार में अग्रणी बैंक प्रबंधक जगमोहन तथा आरसेटी के संचालक एमजे जोगाराव भी शामिल रहे। वेबिनार में कृषि क्षेत्र के लिए बजट प्रावधानों की विशेष तौर पर चर्चा की गई।

17 सूत्रीय मांगों को लेकर विद्यार्थी परिषद ने एपीएसयू का किया घेराव

मीडिया ऑडीटर, रीवा (निप्र)। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद रीवा संभाग के सैकड़ों कार्यकर्ताओं ने बुधवार को विश्वविद्यालय इकाई के माध्यम से रजिस्ट्रार को 17 सूत्रीय मांग पत्र सौंपा है जिसमें छात्र संगठन के द्वारा विश्वविद्यालय को 10 दिन का अल्टीमेटम समयावधि भी दिया गया है तथा यह चेतावनी दी गई है कि 10 दिन में छात्रों की समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो विद्यार्थी परिषद उग्र आंदोलन के लिए बाध्य होगा जिसमें विद्यार्थी परिषद विश्वविद्यालय के इकाई मंत्री लव कुमार पाण्डेय ने बताया कि विश्वविद्यालय सम्बंधित सभी महाविद्यालय के सभी छात्रों से डेवलपमेंट फीस ली जाती है जबकि कोई भी पारदर्शिता नहीं कि गयी है दूसरा विषय स्पोर्ट्स एवं कल्चरल फीस वर्ष में दो बार 250-250 रु प्रत्येक छात्र से ली जाती है जिसमें करोड़ों की वित्तीय अनियमितता का आरोप पाण्डेय जी ने लगाया वहीं विद्यार्थी परिषद के नगर मंत्री हर्ष साहू ने विश्वविद्यालय प्रशासन पर आरोप लगाते हुए कहा कि सम्बंधित महाविद्यालय में छात्रों के परीक्षा परिणाम में अनियमितता विश्वविद्यालय की पुरानी परंपरा का हिस्सा है जिसे विश्वविद्यालय साध्वी चलाना चाह रहा है जिससे कि विश्वविद्यालय की ऊपरी कमाई होती रहे साथ ही विश्वविद्यालय के नियमावली में कोई भी बोर्ड का गठन हो तो उसमें एक छात्र प्रतिनिधि रखने का प्रावधान है पर फिर भी हाल ही में विश्वविद्यालय में अध्ययन मण्डल का गठन किया गया जिसमें स्पष्ट परिलक्षित होता कि विश्वविद्यालय अपने तानाशाही व अफसरशाही रवैये के कारण छात्र प्रतिनिधि उपेक्षा का शिकार हो रहे हैं विद्यार्थी परिषद ने अन्य कई छात्रों के समस्याओं के समाधान की बात की जिसके बाद विद्यार्थी परिषद ने ज्ञापन पत्र कुलपति महोदय को सौंपा जिसमें कुलपति महोदय ने सभी छात्रों को आश्वासन दिया है कि वे शीघ्र अतिशीघ्र ज्ञापन के सभी विषयों को संज्ञान में लेंगे व उनका समाधान करेंगे ज्ञापन देने वालों में प्रमुख रूप से जिला संयोजक पशुपति नाथ पाण्डेय, विभाग छात्रा प्रमुख कृति तिवारी, पवन दुवेदी, दिशा मिश्रा, श्रेया बघेल, सपना पटेल, आशीष दुबेदी, आयुष विश्वकर्मा, शिवांगी मिश्रा, रोहित, हर्ष, मोनू, आदि सैकड़ों छात्र व पदाधिकारी उपस्थित रहे।

स्वत्वाधिकारी मुद्रक/प्रकाशक संदीप द्विवेदी द्वारा मीडिया ऑडीटर पब्लिकेशन प्रा.लिमि. राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से मुद्रित कर मीडिया ऑडीटर कार्यालय राजीव मार्ग निराला नगर रीवा से प्रकाशित, संपादक संदीप द्विवेदी, आर.एन.आई नं. 69082/97, डाक पंजीयन क्र.- म. प्र./ रीवा संभाग/ 46/2023-2025, प्रधान कार्यालय रीवा (सिटी कार्यालय चकधर सिटी सेंटर रीवा) फोन. नं. 9589645803, 7974467831 Mediaauditor1@gmail.com सभी विवादों का न्याय क्षेत्र रीवा होगा।